वर्ष 6, अंक 112 | भोपाल, सोमवार 3 नवंबर, 2025 | कार्तिक शुक्ल पक्ष, त्रियोदशी, 2082 | मूल्य 2 रुपए

# दैनिक कारखाने का सफर

## शेफाली फाइनल की यंगेस्ट हाफ सेंचुरियन

# 47 साल के बाद वर्ल्ड चैंपियन बनी भारतीय टीम

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने आईसीसी महिला विश्व कप जीतने वाली टीम इंडिया के लिए 51 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। टीम इंडिया ने आखिरकार 2005 और 2017 के विश्व कप फाइनल के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए दक्षिण अफ्रीका को हराकर वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों में अपना पहला विश्व खिताब हासिल किया। एएनआई से बात करते हुए, सैकिया ने कहा कि 1983 में, कपिल देव ने भारत को विश्व कप जितवाकर क्रिकेट में एक नए युग और उत्साह की शुरुआत की थी। आज महिलाओं ने भी वही उत्साह और उत्साह दिखाया है। हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम ने आज न केवल ट्रॉफी जीती है, बल्कि उन्होंने सभी भारतीयों का दिल जीत लिया है। उन्होंने महिला क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी के लिए मार्ग प्रशस्त किया है... महिला क्रिकेट पहले ही अपने अगले स्तर पर पहुँच चुका है जब हमारी टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया।

सैकिया ने आगे कहा कि जब से जय शाह ने बीसीसीआई का कार्यभार संभाला है (2019 से 2024 तक बीसीसीआई के सचिव के रूप में कार्यरत), उन्होंने महिला क्रिकेट में कई बदलाव लाए हैं। वेतन समानता पर भी ध्यान दिया गया। पिछले महीने, आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने महिलाओं की पुरस्कार राशि में 300 प्रतिशत की वृद्धि की। पहले पुरस्कार राशि 2.88 मिलियन डॉलर थी, और अब इसे बढ़ाकर 14 मिलियन डॉलर कर दिया गया है। इन सभी कदमों से महिला क्रिकेट को काफी बढ़ावा मिला है। बीसीसीआई ने पूरी टीम- खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ के लिए 51 करोड़ रुपये के इनाम की भी घोषणा की है।

मैच की बात करें तो, दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। स्मृति मंधाना (58 गेंदों में 45 रन, आठ चौकों की मदद से) और शेफाली वर्मा के बीच शतकीय साझेदारी ने भारत के लिए मैच की शुरुआत की, इसके बाद शेफाली (78 गेंदों में 87 रन, सात चौकों और दो छक्कों की मदद से) और जेमिमा रोड्रिग्स (37 गेंदों में 24 रन, एक चौके की मदद से) के बीच 62 रनों की साझेदारी हुई। भारत 166/2 के बेहतरीन स्कोर पर था। कप्तान हरमनप्रीत कौर (29 गेंदों में 20 रन, दो चौकों की मदद से) और दीप्ति शर्मा के बीच 52 रनों की साझेदारी ने भारत को 200 रनों के पार पहुंचाया। दीप्ति (58 गेंदों में 58 रन, तीन चौकों और एक छक्के की मदद से) और ऋचा घोष (24 गेंदों में 34 रन, तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से) की शानदार पारियों की बदौलत भारत 50 ओवरों में 298/7 के स्कोर तक पहुँच गया। अयाबोंगा खाका (3/58) दक्षिण अफ्रीका के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज़ रहीं।

## फाइनल के टॉप-13 रिकॉर्ड्स...

1. भारतीय विमेंस टीम ने पहली ICC ट्रॉफी जीती भारतीय विमेंस ने अपने क्रिकेट करियर की पहली ICC ट्रॉफी जीत ली। टीम इससे पहले 2005, 2017 वनडे वर्ल्ड कप और 2020 टी-20 वर्ल्ड कप में रनर-अप रही थी।
2. मंधाना इस वर्ल्ड कप की सेकेंड टॉप स्कोरर स्मृति मंधाना इस वर्ल्ड कप की सेकेंड टॉप स्कोरर रहीं। उन्होंने 9 मैच में 434 रन बनाए। पहले नंबर पर साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट रहीं। उन्होंने 571 रन बनाए।
3. दीप्ति इस वर्ल्ड कप की टॉप विकेट टेकर दीप्ति शर्मा ने इस विमेंस वर्ल्ड कप में 22 विकेट चटकाए। वे टूर्नामेंट की टॉप विकेट टेकर बनीं। दीप्ति भारत के लिए वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर भी पहुंच गईं। उनके नाम अब 35 विकेट हो गए। पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी 43 विकेट के साथ टॉप पर हैं।
दीप्ति को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी मिला। उन्होंने 22 विकेट लेने के साथ 215 रन भी बनाए। वे वर्ल्ड कप में 200 प्लस रन के साथ 20 विकेट लेने वालीं दुनिया की पहली महिला प्लेयर भी बनीं।
4. वर्ल्ड कप में भारत का सफर इस वर्ल्ड कप में भारत ने 9 मैच खेले। फाइनल तक भारत का सफर आसान नहीं रहा। टीम ने 3 लगातार हार के बाद वापसी की और सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को हराया। भारत को 4 में जीत और 4 में हार मिली। एक मैच बेनतीजा रहा।
5. भारत ने विमेंस वर्ल्ड कप फाइनल में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया भारत ने विमेंस वर्ल्ड कप फाइनल में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। टीम ने 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए। इससे पहले 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट खोकर 356 रन बनाए थे।
6. शेफाली विमेंस वर्ल्ड कप फाइनल में फिफ्टी लगाने वाली यंगेस्ट प्लेयर शेफाली वर्मा विमेंस वर्ल्ड कप फाइनल में फिफ्टी लगाने वाली सबसे कम उम्र की प्लेयर बनीं। उन्होंने 21 साल 278 दिन की उम्र में यह कारनामा कर दिखाया। उनसे पहले ऑस्ट्रेलिया की जे. ई. डफीन ने 23 साल 235 दिन की उम्र में 2013 वर्ल्ड कप में फिफ्टी लगाई थी।
शेफाली ने 2 विकेट भी चटकाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। वे सबसे कम उम्र में फाइनल में यह अवॉर्ड पाने वाली प्लेयर बनीं।
7. शेफाली ने विमेंस वर्ल्ड कप फाइनल में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए विमेंस वर्ल्ड कप फाइनल में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड शेफाली के नाम हो गया है। उन्होंने कल 87 रन की पारी खेली। इससे पहले 2017 के फाइनल में पूनम राउत ने इंग्लैंड के खिलाफ 86 रन बनाए थे।
8. मंधाना ने वर्ल्ड कप के एक एडिशन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय स्मृति मंधाना विमेंस वर्ल्ड कप के एक एडिशन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय बन गईं। उन्होंने इस वर्ल्ड कप में 9 मैचों में 434 रन बनाए। इससे पहले यह रिकॉर्ड मिताली राज के नाम था, जिन्होंने 2017 वर्ल्ड कप में 409 रन बनाए थे।

# ऑटो सेक्टर में रिकॉर्ड तोड़ कार बिक्री, अर्थव्यवस्था को मिली नई रफ्तार...

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

त्योहारों के मौसम में मिल रहे ऑफ़र्स और जीएसटी में कटौती के चलते अक्टूबर माह में भारत में कार बिक्री ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, इस महीने कुल 4.7 लाख से अधिक कारें, सेडान और एसयूवी की बिक्री हुई है, जो पिछले साल अक्टूबर की तुलना में 17% अधिक है। बता दें कि जनवरी 2025 में 4.05 लाख यूनिट्स का रिकॉर्ड बना था, जिसे अब पीछे छोड़ दिया गया है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, ऑटोमोबाइल कंपनियों ने इस बढ़ती मांग को देखते हुए डीलरशिप में ज्यादा से ज्यादा गाड़ियां भेजीं हैं। मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसे दिग्गज निर्माताओं ने इस महीने सर्वाधिक बिक्री दर्ज की है। मारुति ने 10.5% की बढ़त के साथ 1,76,318 यूनिट्स बेचे, जबकि टाटा मोटर्स ने 61,134 और महिंद्रा ने 71,624 वाहनों की बिक्री की है।

मारुति सुजुकी के मार्केटिंग और सेल्स के कार्यकारी अधिकारी पार्थो बनर्जी ने बताया कि नवरात्रि से दिवाली के बीच 40 दिनों में कंपनी को 5 लाख बुकिंग मिली, जिसमें से 4.1 लाख वाहनों की बिक्री हो चुकी है। उन्होंने कहा कि उत्पादन इकाइयों में लंबित ऑर्डर पूरा करने के लिए ओवरटाइम काम हो रहा है। उधर, महिंद्रा ने भी एसयूवी सेगमेंट में अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री की सूचना दी है।

इसी तरह टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है, जहां ईवी सेल्स में 73% का उछाल देखा गया है। दोपहिया वाहनों की बिक्री भी सकारात्मक रही, जहां टीवीएस और सुजुकी मोटरसाइकिल ने अच्छी घरेलू बिक्री दर्ज की है।

गौरतलब है कि जीएसटी में कटौती और मजबूत मानसून के कारण ट्रैक्टर बिक्री में भी इजाफा हुआ है। महिंद्रा ने अक्टूबर में 72,071 ट्रैक्टर बेचे, जो पिछले साल की तुलना में 12% ज्यादा हैं। आने वाले महीनों में रबी बुवाई और खरीफ कटाई के चलते इस सेक्टर में और वृद्धि की संभावना जताई जा रही है।

कुल मिलाकर, दिवाली के सीजन ने भारतीय ऑटो उद्योग को बड़ी रफ्तार दी है, वहीं जीएसटी 2.0 के सकारात्मक असर से बाज़ार में खरीदारों का भरोसा और मजबूत हुआ है।

# दिल्ली की हवा में मामूली सुधार

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार हुआ और सुबह 8 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 316 दर्ज किया गया। रविवार को दिल्ली का एक्यूआई 366 दर्ज किया गया था। दिल्ली की वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार, एक्यूआई 316 दर्ज किया गया। इसी तरह, सीपीसीबी के अनुसार, दिल्ली के लोधी रोड का वायु गुणवत्ता सूचकांक 312 पर पहुँच गया, जो "बेहद खराब" श्रेणी में है, जबकि आईटीओ और आसपास के इलाकों में एक्यूआई 160 पर "मध्यम" श्रेणी में दर्ज किया गया है। कल लोधी रोड पर एक्यूआई 364 और आईटीओ पर 312 दर्ज किया गया। अक्षरधाम में एक्यूआई 347 दर्ज किया गया, जबकि एम्स और सफदरजंग अस्पताल के आसपास के इलाकों में 215 दर्ज किया गया, जिन्हें क्रमशः "बेहद खराब" और "खराब" श्रेणी में रखा गया। कर्तव्य पथ क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 307 दर्ज किया गया, जो "बेहद खराब" श्रेणी में आता है। बढ़ते प्रदूषण स्तर को कम करने के लिए दिल्ली भर में ट्रकों पर पानी के छिड़काव यंत्र लगाए गए हैं। भारत घूमने आए एक विदेशी नागरिक शेन ने एएनआई से बात करते हुए कहा, "हालात बहुत खराब हैं। मैं आगरा से बस से आया था, और जैसे-जैसे मैं दिल्ली के करीब पहुँचता गया, धुंध उतनी ही घनी होती गई।

# भारत माला एक्सप्रेसवे पर भीषण टक्कर, 15 लोगों की मौत

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

राजस्थान के जोधपुर में रविवार को एक दुखद घटना में एक टेंपो ट्रैवलर के ट्रक से टकरा जाने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना जोधपुर के फलौदी में मतोड़ा गाँव के पास भारत माला एक्सप्रेसवे पर हुई। पुलिस टीमों ने स्थानीय निवासियों और वहाँ से गुज़र रहे वाहन चालकों के साथ मिलकर शवों को निकालने और घायलों की मदद के लिए बचाव अभियान चलाया। पुलिस के अनुसार, सभी 18 मृतक एक ही परिवार के थे और जोधपुर के सूरसागर इलाके के निवासी थे। वे कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चना के बाद बीकानेर के कोलायत मंदिर से लौट रहे थे।

घायलों को पहले पास के एक अस्पताल ले जाया गया और बाद में उन्नत उपचार के लिए ग्रीन कॉरिडोर के ज़रिए जोधपुर भेज दिया गया। सभी शवों को ओसियां के सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया गया है। जोधपुर के पुलिस आयुक्त ओम प्रकाश मथुरादास माथुर ने अस्पताल का दौरा कर उपचार व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि घायलों को उचित उपचार मिले, इसके लिए सभी प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने कहा, "एक सड़क दुर्घटना हुई जिसमें लोगों की जान चली गई, जो बेहद दुखद है। हालाँकि, घायलों को उचित उपचार मिले, इसके लिए व्यवस्था की गई है..." बचाव और राहत कार्य जारी है तथा अधिकारी पीड़ितों की पहचान करने और उनके परिवारों को सूचित करने का प्रयास कर रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। राष्ट्रपति भवन ने X पर एक पोस्ट में कहा कि राजस्थान के फलौदी में हुए सड़क हादसे में कई लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। मैं इस त्रासदी में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूँ और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूँ।

# बिहार चुनाव में पवन सिंह की हुंकार, कहा- 15 साल पहले और आज के बिहार का अंतर सबको साफ दिख रहा

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

भोजपुरी गायक-अभिनेता और भाजपा सदस्य पवन सिंह ने रविवार को कहा कि वह राजनीतिक टिप्पणियों से दूर रहना पसंद करते हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि वह खुद को एक कलाकार और "बिहार की जनता का बेटा" मानते हैं, न कि एक राजनेता। उन्होंने पिछले पंद्रह वर्षों में बिहार की प्रगति की तुलना करते हुए कहा कि तब और अब के विकास में "स्पष्ट अंतर" है। सिंह की यह टिप्पणी कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के स्थानीय मछुआरों के साथ मछली पकड़ने की पारंपरिक प्रक्रिया में शामिल होने के बाद आई है। 6 नवंबर से शुरू होने वाले दो चरणों वाले विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में प्रचार कर रहे कांग्रेस नेता ने एक तालाब में छलांग लगाई और हाथों और जाल का उपयोग करके मछली पकड़ने की पारंपरिक प्रथा में भाग लिया। चपरिया पोखर में

मछली पकड़ने की प्रक्रिया में राहुल गांधी के शामिल होने पर पत्रकारों से बात करते हुए, सिंह ने कहा, "उन्हें जो करना है करने दीजिए।" तेजस्वी यादव पर राजनीतिक टिप्पणी करने से खुद को दूर करते हुए पवन सिंह ने कहा, "मैं किसी (तेजस्वी यादव) पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। मैं एक कलाकार हूं. मैं कोई राजनेता नहीं हूं. मैं जनता का भाई और बेटा हूं. मुझे बहुत आशीर्वाद मिल रहा है. जनता समझदार है और वे विकास के साथ खड़ी है. सब कुछ आंखों के सामने है. हर गांव बिजली से रोशन है।"

पवन सिंह, जिन्हें 2024 में काराकाट लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के बाद पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण भाजपा से निष्कासित कर दिया गया था, पार्टी नेतृत्व को अपना समर्थन जारी रखे हुए हैं। वह हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए हैं और राज्य भर में चुनाव प्रचार में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा के लिए मतदान 6 नवंबर और 11 नवंबर को दो चरणों में होना है, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब चुनाव प्रचार अभियान का दौर तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें एनडीए और विपक्षी महागठबंधन दोनों के कई स्टार प्रचारक राज्य भर में घूम रहे हैं।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय
गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706

# इंडिया वर्ल्ड चैंपियन...मप्र की बॉलर क्रांति के गांव में जश्न, छतरपुर में खुशी से झूमे परिजन और लोग, भोपाल- इंदौर में भी आतिशबाजी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

वनडे महिला क्रिकेट में भारतीय टीम पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है। टीम इंडिया ने मुंबई में फाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 52 रन से हरा दिया। यह जीत मध्य प्रदेश के लिए भी खास है। क्योंकि छतरपुर के घुवारा की बेटी क्रांति गौड़ भी इस टीम का हिस्सा है। जैसे ही टीम इंडिया जीती क्रांति के गांव में जश्न शुरू हो गया। परिजन और पूरा गांव ढोल -नगाड़ों की थाप पर झूमे। साथ ही जमकर आतिशबाजी भी की। एक-दूसरे मिठाई खिलाकर बधाई दी। कहा कि हमें टीम इंडिया और बेटी क्रांति पर गर्व है। इससे पहले सुबह से मैच को लेकर घुवारा गांव में उत्साह का माहौल रहा। गांव वालों ने बड़ी एलईडी स्क्रीन पर मैच देखा। गांव में क्रांति के पोस्टर भी लगाए थे।

क्रांति के परिजन और गांव वालों को उम्मीद थी कि क्रांति इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करेगी। क्रांति ने साउथ अफ्रीका के बल्लेबाजों को बांधे रखा और अपने तीन ओवर के स्पेल में महज 16 रन दिए और टीम इंडिया की जीत में अपनी भूमिका निभाई। क्रांति की मां नीलम गौड़ ने बताया- बेटी ने जाते वक्त कहा कि मम्मी मैं जा रही हूं। वर्ल्ड कप जीत कर आऊंगी। इधर, टीम इंडिया की जीत पर भोपाल, इंदौर समेत प्रदेशभर में आतिशबाजी की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व कप जीतने के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐतिहासिक जीत है। 1973 से प्रारंभ हुई महिला विश्व कप क्रिकेट प्रतियोगिता में भारत ने पहली बार विश्व विजेता बनने का सौभाग्य हासिल किया है। वहीं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व सीएम कमलनाथ और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी खुशी जताते हुए टीम इंडिया को बधाई दी।

## प्रदेश में फिर बारिश का अलर्ट, भोपाल, इंदौर-उज्जैन में बादल छाएंगे

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

लो प्रेशर एरिया (निम्न दबाव क्षेत्र) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) के असर से मध्यप्रदेश में अगले 2 दिन भी बारिश होने के आसार है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर में बूंदाबांदी और बादल छाएंगे तो पश्चिमी हिस्से में हल्की बारिश भी हो सकती है। इससे पहले रविवार को कई जिलों में धूप खिली। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, रविवार को उत्तर-पूर्वी हिस्से में एक निम्न दाब का क्षेत्र और एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की एक्टिविटी देखने को मिली। जिसका असर अगले दो दिन यानी, सोमवार और मंगलवार को बना रहेगा।

अगले दो दिन तक भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर, सागर और जबलपुर संभाग के 30 से अधिक जिलों में सिस्टम का असर देखने को मिलेगा। यहां पर बादल, आंधी, गरज-चमक और बारिश वाला मौसम रहेगा। रविवार को ज्यादातर शहरों में धूप खिली रही। इस वजह से दिन के तापमान में 1 से 2.9 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। भोपाल में पारा 31.1 डिग्री पहुंच गया। इंदौर में 30.1 डिग्री, ग्वालियर में 31 डिग्री, उज्जैन में 30 डिग्री और जबलपुर में 29.8 डिग्री रहा। वहीं, दतिया, गुना, नर्मदापुरम, खंडवा, रतलाम, श्योपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, खजुराहो, मंडला, नौगांव, सतना, उमरिया में पारा 30 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। 4 नवंबर की रात से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होने का अनुमान है। एमपी में इसका 48 घंटे के बाद असर देखने को मिलेगा। उत्तरी हवाएं चलने से दिन में भी पारा लुढ़क सकता है।

प्रदेश में नवंबर महीने में पिछले 10 साल से ठंड के साथ बारिश का ट्रेंड भी है। अबकी बार भी ऐसा ही मौसम रहेगा। वहीं, बारिश के लिहाज से अक्टूबर का महीना उम्मीदों पर खरा उतरा है। औसत 2.8 इंच पानी गिर गया, जो सामान्य 1.3 इंच से 121% ज्यादा है।

वहीं, भोपाल में दिन ठंडे रहे। 30 अक्टूबर को दिन का तापमान 24 डिग्री रहा। मौसम विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, पिछले 25 साल में अक्टूबर का यह सबसे ठंडा दिन रहा। उज्जैन, छतरपुर, नरसिंहपुर समेत कई शहरों में पारा 24 डिग्री के नीचे ही रहा।

अक्टूबर में बारिश के रिकॉर्ड की बात करें तो दो साल बाद प्रदेश में सबसे ज्यादा पानी गिरा। भोपाल में 2.8 इंच, जबलपुर में 3.3 इंच, ग्वालियर में 4.2 इंच और उज्जैन में 2.1 इंच बारिश दर्ज की गई। साल 2022 में इससे ज्यादा बारिश हुई थी। वहीं, इंदौर में 3.4 इंच पानी गिरा। यहां 10 साल में दूसरी बार अक्टूबर में इतनी अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई।

ओवरऑल सबसे ज्यादा बारिश वाले जिले में श्योपुर नंबर-1 पर है। यहां 6.52 इंच, झाबुआ में 5.52 इंच, सिंगरौली में 5.35 इंच, सीधी में 5 इंच, उमरिया में 4.14 इंच, अनूपपुर में 4.82 इंच, बड़वानी में 4.21 इंच और भिंड में 4.36 इंच बारिश हो गई। प्रदेश का खंडवा ही एक मात्र ऐसा जिला रहा, जहां सामान्य से कम पानी गिरा।

### शिकायतों की जांच में लीपापोती से लोकायुक्त नाराज

## पंचायत पदाधिकारियों, अफसरों के खिलाफ जांच के लिए बनाई एसओपी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

जिला और जनपद पंचायतों के सीईओ, जिला पंचायत अध्यक्षों, पंचायत अधिकारियों, कर्मचारियों और पंचायत पदाधिकारियों के खिलाफ की जाने वाली शिकायतों की जांच में लीपापोती और अधूरी रिपोर्टों को लेकर लोकायुक्त संगठन ने नाराजगी जताई है। लोकायुक्त की इस नाराजगी के बाद पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने लोकायुक्त से संबंधित शिकायतों की जांच के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) तैयार की है। विभाग ने निर्देश दिया है कि आगे से सभी जांच इसी एसओपी के आधार पर की जाएं और रिपोर्ट उसी प्रारूप में प्रस्तुत की जाए। विभाग ने सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (सीईओ), जिला पंचायतों को पत्र लिखकर लोकायुक्त से जांच हेतु प्राप्त शिकायतों की रिपोर्ट भेजने के लिए निर्धारित एसओपी का पालन करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने कहा है कि अक्सर यह देखा गया है कि लोकायुक्त कार्यालय से विभाग को जांच के लिए जो शिकायतें प्राप्त होती हैं, वे संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों या पंचायत पदाधिकारियों से जुड़ी होती हैं, लेकिन जिलों से अस्पष्ट और अपूर्ण रिपोर्ट भेजी जाती है।

ऐसी स्थिति में लोकायुक्त के समक्ष शासन स्तर पर जवाब प्रस्तुत करने में कठिनाई होती है। कई मामलों में लोकायुक्त द्वारा जांच प्रक्रिया पर ही असंतोष या नाराजगी व्यक्त की जाती है।इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग ने सभी बिंदुओं का अध्ययन कर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु नई एसओपी तय की है।

**ऐसे तय की गई है नई एसओपी-**

प्राप्त शिकायत का अध्ययन कर जांच के बिंदु निर्धारित किए जाएं।

जांच बिंदु तय करने के बाद जांच अधिकारी या जांच दल का गठन किया जाए और जांच की समय-सीमा तय की जाए।

यदि शिकायत निर्माण कार्यों या गुणवत्ता से संबंधित हो, तो जांच दल में सक्षम स्तर का तकनीकी अधिकारी शामिल किया जाए।

यदि शिकायत में अकांउट संबंधी बिंदु हों, तो जांच दल में अकाउंट्स ज्ञान वाले अधिकारी/कर्मचारी को शामिल किया जाए।

जांच अधिकारी की नियुक्ति या दल गठन के समय यह सुनिश्चित किया जाए कि शिकायत शासकीय अधिकारी, कर्मचारी या पंचायत पदाधिकारी से संबंधित है और जांच अधिकारी उस स्तर का हो जो सक्षम रूप से जांच कर सके।

जांच दल गठित होने की स्थिति में भी कम से कम एक अधिकारी ऐसा होना चाहिए जो संबंधित पदाधिकारी के समकक्ष या उच्च स्तर का हो।

**एसओपी के मुख्य मानक बिंदु-**

जांच अधिकारी/दल द्वारा हर निर्धारित बिंदु पर तथ्यात्मक और प्रमाणिक जांच रिपोर्ट पेश की जाए।

जांच रिपोर्ट मिलने के बाद संबंधित अधिकारी, कर्मचारी या पंचायत पदाधिकारी से जांच निष्कर्षों पर जवाब मांगा जाए। यदि जांच में पाया जाता है कि किसी अधिकारी, कर्मचारी या पंचायत प्रतिनिधि के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही, वसूली या अन्य कार्रवाई आवश्यक है, तो उस स्तर पर तत्काल कार्रवाई के लिए प्रस्ताव भेजा जाए।

यदि शिकायत सत्य या निराधार पाई जाती है, तो उस पर की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन एवं निर्णय की जानकारी लोकायुक्त कार्यालय, पंचायत राज संचालनालय और राज्य शासन को समय-सीमा में अनिवार्य रूप से भेजी जाए।

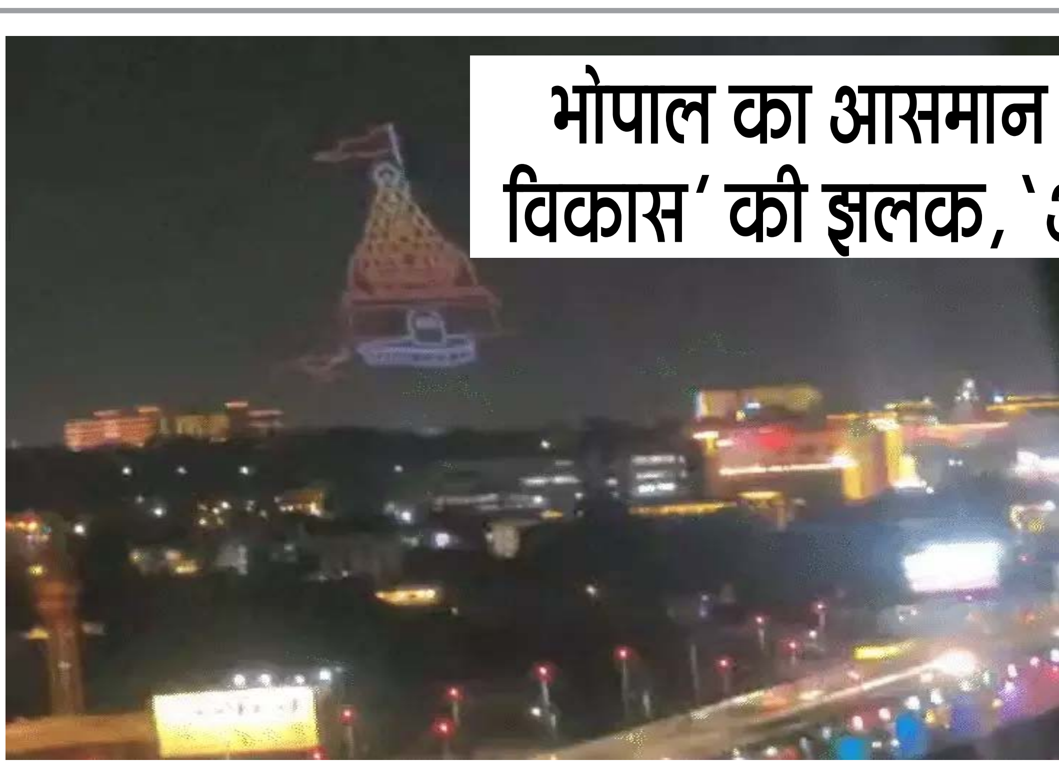

## भोपाल का आसमान फिर 2000 ड्रोन से जगमगाएगा:दिखेगी `विरासत से विकास' की झलक, `अभ्युदय मध्यप्रदेश' में सिंगर स्नेहा शंकर देंगी प्रस्तुति

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मप्र स्थापना दिवस समारोह 'अभ्युदय मध्यप्रदेश' का तीसरा और अंतिम दिन आज राजधानी भोपाल में सांस्कृतिक उल्लास और तकनीकी भव्यता का संगम पेश करेगा। लाल परेड ग्राउंड में सोमवार शाम को जहां सुप्रसिद्ध सिंगर स्नेहा शंकर अपनी सुरीली प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी, वहीं 2000 ड्रोन का शो एक बार फिर भोपाल के आसमान को रोशन करेगा। इस ड्रोन शो को विशेष रूप से उन दर्शकों के लिए दोबारा आयोजित किया जा रहा है, जो 1 नवंबर को इसे देखने से चूक गए थे।

राज्य सरकार की पहल पर "अभ्युदय मध्यप्रदेश 2047" की थीम पर होने वाले इस भव्य ड्रोन शो में 2000 ड्रोन समन्वित रूप से आकाश में मध्यप्रदेश की गौरवशाली विरासत, संस्कृति और विकास यात्रा को जीवंत करेंगे। यह शो "कन्सेप्ट कम्युनिकेशन्स लिमिटेड" द्वारा तैयार किया गया है और सेंट्रल इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट अर्पित गोयल के निर्देशन में आयोजित हो रहा है। 15 मिनट के इस शो में मध्यप्रदेश की उपलब्धियों और नवाचारों को 3D फॉर्मेशन के रूप में दिखाया जाएगा। जैसे भारत का मानचित्र, मध्यप्रदेश के जिले, महाकाल मंदिर, सिंहस्थ-2028, छलांग लगाता बाघ, उद्योग और इन्वेस्ट एमपी का लोगो, कृषि दृश्य, हाईवे, मेट्रो, हवाई जहाज के प्रतीक और अंत में "जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान" का दृश्य। शाम 6:30 बजे से शुरू होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य की भव्य प्रस्तुति से होगी। इसके बाद मंच पर आएंगी बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका स्नेहा शंकर, जो अपनी मधुर आवाज और ऊर्जावान प्रस्तुतियों के लिए जानी जाती हैं। स्नेहा शंकर "चांद के टुकड़े", "मेरा महबूब", "हकूना मटाटा" जैसे गानों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर करेंगी। उनकी प्रस्तुति के दौरान लाल परेड ग्राउंड में संगीत, रोशनी और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा।

तीसरे दिन भी महानाट्य "सम्राट विक्रमादित्य" का मंचन मुख्य आकर्षण रहेगा। उज्जैन की संस्था विशाला सांस्कृतिक एवं लोकहित समिति द्वारा प्रस्तुत इस महानाट्य का निर्देशन संजीव मालवीय कर रहे हैं। 150 कलाकारों के दल और 50 तकनीकी सहयोगियों के साथ प्रस्तुत किए जा रहे इस नाट्य में अश्व, रथ, पालकी, ऊंट और एलईडी ग्राफिक्स का प्रयोग कर इसे जीवंत बनाया गया है।

## भोपाल के शाहजहानी पार्क के बायो गैस प्लांट में आग

# आसमान में उठे धुएं के गुब्बार, डेढ़ घंटे में पाया काबू, पर AQI 20 से 302 पहुंचा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल के शाहजहानी पार्क में स्थित बायो गैस के बंद प्लांट में रविवार को भीषण आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि धुआं शहर के कई किमी तक देखा गया और बीच-बीच में धमाके भी हुए। आग शाम लगभग 5.30 बने भड़की और डेढ़ घंटे तक विकराल रही। फायर ब्रिगेड को आग बुझाने के लिए 3 फॉर्म टेंडर, 2 ब्राउजर और 3 से अधिक गाड़ियों लगानी पड़ीं। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग बुझने के बाद भी धुआं शहर में फैलता रहा, जिससे पुराने भोपाल का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) तीन घंटे में 20 से 302 तक पहुंच गया। इसके कारण आसपास के लोग, खासकर बच्चे, बुजुर्ग और सांस संबंधी मरीज, आंखों में जलन, आंसू और सांस लेने में परेशानी महसूस करने लगे। फायर विभाग और नगर निगम ने आग के बाद प्लांट से कचरा हटाया और सुरक्षा बढ़ा दी। फायर अधिकारी शक्ति तिवारी के मुताबिक, शाम 5:50 बजे आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद तुरंत टीम मौके पर पहुंच गई। करीब डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया गया। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची। प्लांट की ओर आने वाली सड़क को पुलिस ने बंद कर दिया है।

आग से उठे धुएं ने शहर में PM 2.5 की मात्रा बढ़ा दी। पुराने भोपाल का AQI तीन घंटे में 20 से 302 तक पहुंच गया। MPPCB के ब्रजेश शर्मा के अनुसार, यह बच्चों, बुजुर्गों और सांस रोगियों के लिए खतरनाक है, आंखों में जलन, आंसू और सांस में परेशानी बढ़ाता है। प्लांट में गोबर और कचरा जमा था। बंद होने के बावजूद भी रसायनिक क्रिया से गैस बनने की संभावना थी। फोम टेंडर से आग को बुझाया गया। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे बंद संयंत्र स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए खतरनाक होते हैं। प्लांट में बड़ी मात्रा में गोबर, प्लास्टिक और सूखी घास जमा थी। निगम के अनुसार प्लांट में शराब पीने वाले लोग आते थे। अधिकारी मानते हैं कि किसी ने जलती बीड़ी या सिगरेट फेंकी, जिससे आग भड़की। यह प्लांट 2017-18 से बंद था और सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। एसीपी चंद्रशेखर पांडे ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। यह फायर केमिकल का प्लांट था। इसके आसपास कचरे का ढेर था, जहां आग लगी हुई थी। पहले यहां केमिकल बनता था।

## भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के नव नियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों का स्वागत किया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के नव नियुक्त राष्ट्रीय* पदाधिकारियों में चन्द्र मोहन साहू राष्ट्रीय अपर महामंत्री ( संगठन प्रमुख कार्य ) एवं प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र साहू ( डबरा )भोपाल एवं ओंकार साहू राष्ट्रीय सचिव राजनैतिक प्रकोष्ठ एवं मोहन साहू अयोध्या एक्सटेंशन राष्ट्रीय सचिव मीडिया प्रकोष्ठ का सम्मान समारोह भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के प्रदेश सचिव मोहन साहू, प्रदेश मीडिया सचिव अरूण गुप्ता , व्यापारी प्रकोष्ठ जिला महामंत्री भोपाल अजय गुप्ता जिला भोपाल अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष शिव कुमार साहू , जिला व्यापारी प्रकोष्ठ भोपाल अध्यक्ष दिनेश साहू, विमल साहू महामंत्री , अजय साहू साकेत नगर, अजय साहू वृंदावन नगर , मुकेश साहू, गुलाब चन्द साहू एवं जितेश साहू आदि थे ।

अभिनव मानस मण्डल भोपाल के पदाधिकारियों ने सम्मान किया, जिसमें मुख्य रूप से पंडित राधे श्याम तिवारी ( मंडलाचार्य ) , आर एस यादव ( उपाध्यक्ष ) , सीताराम डहेरिया ( उपाध्यक्ष) मनोज खंडेलवाल ( कोषाध्यक्ष ) , उमेश सिंह( संघठन सचिव ) वाय. पी. त्रिपाठी ( सह मंडलाचार्य ) आदि उपस्थित थे ।

*श्री जिंद बाबा मनकामनेश्वर महादेव समिति शंकर गार्डन के अध्यक्ष बी के शुक्ला एवं उपाध्यक्ष के आर चौकसे ने सम्मान किया उज्जवल भविष्य की कामना की।

*अभिनव होम्स फेस - 03 एवं एक्सटेंशन आवासीय समिति के अध्यक्ष राजेश कौशल एवं सचिव घन श्याम रायकवार ने सम्मान किया एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

## गाड़ियों की आवाज सुनते ही छिप जाते थे वन्य जीव, 5 साल का बाघ 1 घंटे पर्यटकों के सामने डटा रहा

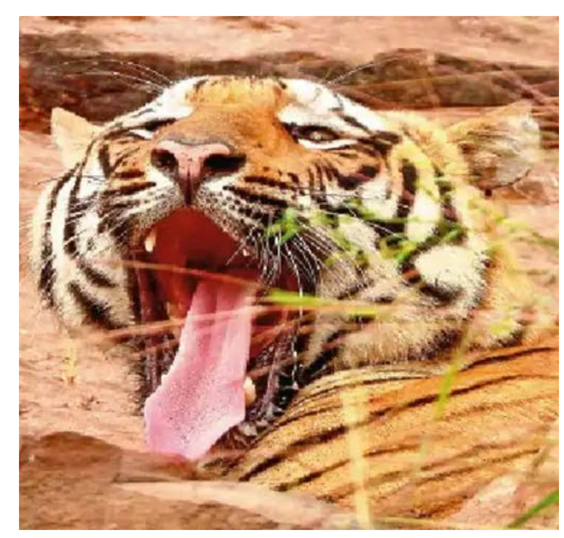

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

रातापानी टाइगर रिजर्व अब फिर से पर्यटकों का पसंदीदा ठिकाना बनता जा रहा है। जून तक यहां बाघ दिखना दुर्लभ था, लेकिन अब लगभग हर दिन यहां बाघों की साइटिंग हो रही है। रविवार को सफारी पर निकले पर्यटकों को 5 साल का एक बाघ नजर आया। खास बात यह है कि बाघ निर्भय होकर करीब एक घंटे तक उनके सामने रहा। कभी जमीन पर लोटता तो कभी अंगड़ाइयां लेता दिखा। सफारी खत्म होने तक वह अपने इलाके से टस से मस नहीं हुआ। यह नजारा देख पर्यटक रोमांचित हो उठे। यह बाघ अपनी चाल और आत्मविश्वास के कारण सबका ध्यान खींचता है। इसलिए पर्यटकों ने इसे नाम दिया-'रातापानी का भीम'।

औबेदुल्लागंज डीएफओ हेमंत रैकवार ने बताया कि झिरी गेट से इमलाना कैंप के बीच रविवार को भी बाघ दिखाई दिया। पिछले 18 दिनों में से 14 दिन बाघ की साइटिंग हुई है, जो इस रिजर्व के लिए बड़ी बात है। झिरी गेट रेंज प्रभारी कार्तिकेय शुक्ला के अनुसार, 'भीम के अलावा एक बाघिन, दो अन्य बाघ, जंगली कुत्ते, भेड़िए, चौसिंगा व चीतल दिखे। बाघ भीम की ये तस्वीरें पर्यटक अंजलि सिंह और अमेय विक्रम सिंह ने भेजीं हैं।

## लो-फ्लोर बसें 60 से बढ़कर 70 हो जाएंगी, एम्स से चिरायु तक आज से चलेंगी 10 सीएनजी बसें

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

करीब एक साल से बंद पड़े टीआर-4 रूट पर आज से बस सेवा शुरू हो रही है। यह रूट एम्स से चिरायु अस्पताल भैंसाखेड़ी तक जाएगा। शुरुआती चरण में 10 से 15 सीएनजी बसें इस रूट पर उतरेंगी। इससे शहर में लो-फ्लोर बसों की संख्या 60 से बढ़कर 70 हो जाएगी। नवंबर के अंत तक 60 बसें और मिलना हैं। इससे कुल बसों की संख्या 130 हो जाएगी। निगम कमिश्नर संस्कृति जैन के अनुसार, भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) ने बस संचालन के लिए इन्यूवेट से समझौता किया है। बीसीएलएल ने 2013 में लो-फ्लोर बस सेवा शुरू की थी। उस समय 368 बसें

सड़क पर उतरीं और रोजाना डेढ़ लाख के करीब यात्री सफर करते थे। लेकिन विवाद और प्रशासनिक लापरवाही के कारण बसों की संख्या घटकर 60 रह गई। अब निगम सिर्फ सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसें ही चलाएगा। 2027 तक शहर से डीजल बसें पूरी तरह बंद कर दी जाएंगी। शहर के कई रूट गांधी नगर से अयोध्या नगर, ईदगाह हिल्स से एम्स आदि लंबे समय से बंद हैं। इलेक्ट्रिक बसों के लिए दो नए चार्जिंग डिपो बन रहे हैं। बैरागढ़ और कस्तूरबा नगर में ये डिपो 100-100 बसों के लिए बनाए जा रहे हैं। अप्रैल 2026 से पहली खेप, जुलाई तक 100 और और साल 2026 के अंत तक 95 बसें शहर में आ जाएंगी।

## भोपाल में रेलवे जैसा स्ट्रक्चर बनाने 2 बार टेंडर कैंसिल, पीडब्ल्यूडी ने टेंडर निकाले, पर किसी ने नहीं लिया, 50 साल पुराने नाले पर बनेगा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल के एमपी नगर में 50 साल पुराने नाले पर प्री-कास्ट तकनीक से रेलवे के अंडरपास जैसा स्ट्रक्चर बनना है। इसके लिए पीडब्ल्यूडी ने 2 बार टेंडर निकाले, लेकिन ऐसा स्ट्रक्चर बनाने के लिए कोई नहीं आया और टेंडर कैंसिल हो गए। अब तीसरी बार टेंडर की प्रक्रिया शुरू की गई है। स्ट्रक्चर नहीं बनने से हर रोज 5 लाख से ज्यादा लोग परेशान हो रहे हैं। बता दें कि बोर्ड ऑफिस चौराहे से एमपी नगर चौराहे के बीच की सड़क 17 जुलाई को नाले के ऊपर बनी सड़क धंस गई थी। इसे अगले दो से तीन दिन में ठीक किया गया तो अगले हिस्से की सड़क धंसने लगी। तभी से आधी सड़क पर बेरिकेडिंग की गई है। इस वजह से कई बार जाम की स्थिति भी बनती है। इसे लेकर पीडब्ल्यूडी ने प्लान तैयार किया और टेंडर की प्रक्रिया शुरू की। प्लान बनाया कि इस पर रेलवे के अंडरपास जैसा ही स्ट्रक्चर बनाया जाए। पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर संजय मस्के ने बताया, इस तकनीक के जरिए काम होने से 3 से 4 दिन ही लगेंगे। इससे सड़क ज्यादा दिन के लिए बंद नहीं करना पड़ेगी, लेकिन यदि मौके पर ही सीमेंट क्रंकीट से स्ट्रक्चर बनाते हैं तो इसमें ढाई से तीन महीने का समय लग सकता है। ऐसे में ट्रैफिक बंद रहेगा और लाखों लोगों को परेशानी हो सकती है। इसलिए इस तकनीक पर प्रोजेक्ट बनाया। दो बार टेंडर भी निकाले गए, लेकिन प्रक्रिया में किसी ने भाग नहीं लिया। अब फिर से टेंडर प्रक्रिया कर रहे हैं। चीफ इंजीनियर मस्के का कहना है कि इस तकनीक में रेलवे के अंडरपास की तरह 32 बॉक्स बनाकर रखे जाएंगे। जिनकी ऊंचाई ढाई मीटर और इतनी ही चौड़ाई रहेगी। इस पर कुल 95 लाख रुपए खर्च होंगे। प्री-कास्ट बॉक्स से सिर्फ 3 से 4 दिन में ही ट्रैफिक दौड़ने लगेगा। अफसरों ने बताया कि प्री-कास्ट के बॉक्स कहीं और बनेंगे। जिन्हें मौके पर लाया जाएगा। इससे ठेकेदार का काम बढ़ जाएगा। दो जगह पर उसे काम करना पड़ेगा। इसलिए ठेकेदार काम लेने से बच रहे हैं।

बोर्ड ऑफिस चौराहे से एमपी नगर चौराहे के बीच नाले की सड़क धंसी थी। एमपी नगर की बसाहट के दौरान करीब 50 साल पहले पत्थरों की दीवार का नाला बना था। उस समय इसके ऊपर पुलिया नहीं बनाई गई, बल्कि उसे अंडरग्राउंड कर दिया गया। कुछ साल पहले निगम ने नाले के ऊपर ही पब्लिक टॉयलेट बना दिया।

## भारत और हिंदू कब इतने जलील हुए

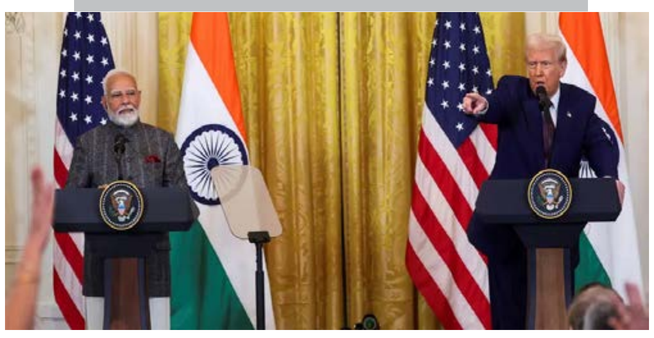

हां, 15 अगस्त 1947 से अब तक का भारत रिकॉर्ड खंगाल डालिए। वैश्विक मंच में भारत को इतना जलील, हिंदुओं को इतनी गालियां पहले कभी नहीं मिलीं, जितना मई 2025 से शुरू सिलसिला है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थकों ने मानों ठान ली हो। इस सप्ताह गजब हुआ। ट्रंप ने दक्षिण कोरिया में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) के कॉरपोरेट जमावड़े में प्रधानमंत्री मोदी की नकल की। कहा, "मोदी बहुत खूबसूरत इंसान हैं, पर किलर हैं, बहुत टफ हैं"। फिर आवाज बदलकर मोदी लहजे में बोले "नो, नो, वी मस्ट फाइट"! और सभागार हंसी से गूंज उठा। सोचें, भारत अब 'किलर' के देश के रूप में हंसी का विषय। इसी भाषण में ट्रंप ने फिर कहा, "मैंने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया और कहा— हम आपके साथ कोई व्यापार समझौता नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी बोले— नहीं, नहीं, हमें व्यापार समझौता करना ही चाहिए। मैंने कहा— नहीं, नहीं कर सकते। आप पाकिस्तान से युद्ध शुरू कर रहे हैं, हम ऐसा नहीं करेंगे।" "मैंने चेतावनी दी थी कि अगर तुम लोग नहीं रुके तो मैं दोनों देशों पर 250 प्रतिशत शुल्क लगा दूंगा— जिसका मतलब होगा कि तुम कभी व्यापार नहीं कर पाओगे।" "मैंने पढ़ा कि सात विमान गिराए गए हैं। ये दोनों परमाणु संपन्न देश हैं और एक-दूसरे से भिड़े हुए हैं।" मानों यह कम हो जो ट्रंप ने फिर कहा कि, "मैं भारत के साथ एक व्यापार समझौता कर रहा हूं, और मुझे प्रधानमंत्री मोदी के प्रति बहुत सम्मान और प्रेम है।" "उसी तरह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भी बहुत अच्छे इंसान हैं। उनके पास एक फील्ड मार्शल है— जानते हैं वह फील्ड मार्शल क्यों हैं? (ध्यान रहे यह तमगा उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के बाद मिला था) क्योंकि वह एक महान योद्धा हैं, बहुत बढ़िया व्यक्ति हैं मैं इन सबको अच्छी तरह जानता हूं।" सोचे, ये वे ट्रंप हैं, जिनकी चमचागिरी में प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव के दौरान प्रवासी हिंदुओं के बीच कहा था कि अबकी बार. ट्रंप सरकार! इतिहास का सत्य है कि पंडित नेहरू और इंदिरा गांधी की विदेश नीति से अमेरिका हमेशा खटका रहा। लेकिन मजाल जो किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत और उसके प्रधानमंत्री का ऐसे अपमान किया हो। मजाक उड़ाया हो। मगर ट्रंप के लिए मोदी सरकार ऐसी हो गई है जो सौ प्याज, सौ जूते खाते हुए भी अंततः अमेरिका की शर्तों में सौदा करेगी। तभी उन्होंने दक्षिण कोरिया में विश्वास जताया कि "मैं भारत के साथ एक व्यापार समझौता कर रहा हूं।" ठिक दूसरी तरफ इस सप्ताह चीन ने ट्रंप को झुकाया। अमेरिका को 'रेयर अर्थ' निर्यात की सहमति दे कर, सोयाबीन की खरीद वापिस शुरू करके अमेरिकी टैरिफ घटाने का ट्रंप से बयान दिलवाया। वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप से सामना होने से बचने के लिए मलेशिया में आयोजित आसियान सम्मेलन से कन्नी काटी। जबकि ब्राजील और कनाडा जैसे देशों ने भी सप्ताह भर चली आसियान बैठक में हिस्सा लिया था लेकिन भारत के प्रधानमंत्री ग़ैरहाज़िर थे।

## 20-11 वर्ष के राज!

बिहार के चुनाव में नीतीश-मोदी का तुरूप इक्का 'जंगल राज' का जुमला है1 प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह और योगी आदित्यनाथ तीनों के भाषण सुनें तो लगेगा चुनाव 2005 में है। इसलिए क्योंकि बीस साल बाद भी लालू यादव और उनका राज ही एनडीए का चुनावी राग है। मतलब "लालू आए तो जंगल राज लौट आएगा।" जिन लोगों ने इस नारे पर 2005 में तालियां बजाई थीं वे अब दिल्ली, सूरत, मुंबई, में मज़दूर हैं और रील में चुनाव देख रहे हैं। इन्होंने नीतीश कुमार के 20 साला और मोदी के 11 साला शासन की डबल इंजन सरकार देखी। इस छठ में भी रेल की धकमपेल से बिहार पहुंचे लेकिन बिहार पहुंच कर सुना – जंगल राज। मतलब बिहार की जनता के लिए मोदी, शाह, योगी के पास जंगल राज. वंश राज, तुष्टिकरण और डबल इंजन के पुराने कैसेट का एकमेव सहारा। ऐसा एक भी नया जुमला नहीं है जिससे मोदी राज में लोगों की भलाई, उपलब्धि याकि अच्छे दिन आने का कोई प्रतिनिधि वाक्य हो। जबकि बिहार में लोगों की प्रति व्यक्ति आय का आंक़डा पैंदे का है, बेरोज़गारी राष्ट्रीय औसत से ऊपर है और स्कूल, अस्पताल अव्यवस्थाओं के मारे तथा गंगा गंदगी के रिकार्ड बनाए हुए है। बावजूद इस सबके इस चुनाव में भी छठ के त्योहार का हल्ला बना कर एनडीए को बिहारियों के वोटों की उम्मीद है। सो, बिहार चुनाव का लब्बोलुआब जंगल राज के बुरे सपने देखिए, डरिए और वोट दीजिए। लोगों को भयाकुल बनाने याकि डर में डुबाना ही डबल इंजन का तेल है। अपना मानना है कि लोगों को सरकारी नकदी बंटवाने के बाद डर पैदा करने की कोशिश जिस अनुपात में है उससे भाजपा कुछ परेशान समझ आती है। मामूली बात नहीं है कि मोदी, शाह के साथ योगी आदित्यनाथ भी हिंदू-मुस्लिम राजनीति के इलाकों में भाषण दे रहे हैं। खुद अमित शाह ने घुसपैठियों के जुमले को तुल दिया हुआ है। इसलिए बिहार के चुनाव नतीजों में भाजपा को यदि हल्का भी झटका लगा तो आगे के उत्तर प्रदेश और बंगाल के चुनाव में घुसपैठियां तथा हिंदू बनाम मुस्लिम धुव्रीकरण का हल्ला कानफोडू होगा। उस नाते बिहार में जंगल राज, सरकार के जरिए नकदी और रेवडियों के वितरण याकि भय और रेवड़ी के नुस्खे की परीक्षा है। प्रधानमंत्री मोदी का करिश्मा वोट खिंचाऊ नहीं रहा। मोदी अपने चेहरे की बजाय लालू यादव के चेहरे को उभार जंगल राज के भय से वोट बटोरने की रणनीति में है। साथ ही योगी आदित्यनाथ का भरपूर उपयोग भी है। मतलब योगी अब अपरिहार्य हैं। वे उत्तर प्रदेश में बने रहेंगे और उनकी ही हिंदू-मुस्लिम बुलडोजर राजनीति आगे के चुनावों में काम आएगी।

**-हरिशंकर व्यास**

# बिहार क्या चुनेगा, झूठे वादे या सचाई का संकल्प!

बिहार के लोगों के लिए अगले पांच साल और उससे भी आगे का भविष्य चुनने का समय आ गया है। चार दिन बाद गुरुवार, छह नवंबर को पहले चरण की 121 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। उससे पहले मुख्य मुकाबले वाले दोनों गठबंधनों का घोषणापत्र सामने आ गया है। एक तरफ है एक व्यक्ति का 'तेजस्वी प्रण', जिसे गठबंधन की दूसरी पार्टियों का ही पूरा समर्थन नहीं मिल रहा है तो दूसरी ओर सामूहिक संकल्प है, जिसके पीछे देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की दूरदृष्टि और विशाल अनुभव का बल है। निश्चित रूप से बिहार के लोगों को यह तय करने में कोई परेशानी नहीं आने वाली है कि वे प्रण के नाम पर परोसे गए झूठ को चुनें या सचाई के संकल्प को चुनें। एनडीए का संकल्प पत्र जारी होने के बाद माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जारी हुआ एनडीए का संकल्प पत्र आत्मनिर्भर और विकसित बिहार के हमारे विजन को स्पष्ट रूप से सामने लाता है। इसमें यहां के किसान भाई, बहनों, युवा साथियों और माताओं, बहनों के साथ ही राज्य के मेरे सभी परिवारजनों के जीवन को और आसान बनाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता दिखाई देती है'। माननीय प्रधानमंत्री की यह प्रतिबद्धता ही इस संकल्प पत्र की शक्ति है, जिस पर बिहार के लोग भरोसा करेंगे। बहरहाल, पहले अगर बिहार के विपक्षी महागठबंधन के घोषणापत्र की बात करें तो उसकी शुरुआत ही इस झूठ की बुनियाद से होती है कि सरकार बनने पर बिहार के हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देंगे। यह सिर्फ बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी यादव का वादा है। एक बार भी कांग्रेस के नेता श्री राहुल गांधी ने या गठबंधन की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी सीपीआई माले के श्री दीपांकर भट्टाचार्य ने इसे नहीं दोहराया है। उप मुख्यमंत्री पद के दावेदार घोषित हुए श्री मुकेश सहनी जरूर इस बात को दोहरा रहे हैं लेकिन पिछले दिनों उनका एक इंटरव्यू सोशल मीडिया में वायरल हुआ, जिसमें वे इस वादे से जुड़े किसी सवाल का जवाब नहीं दे पा रहे थे। वे नहीं बता पा रहे थे कि इतनी बड़ी संख्या में सरकारी नौकरी देने के लिए पैसा कहां से आएगा। वे हर सवाल के जवाब में कह रहे थे कि 20 महीने इंतजार करे। सवाल है कि क्या बिहार के लोग ऐसे आधारहीन वादे पर वोट करके 20 महीने इंतजार कर सकते हैं? यह वादा पहली नजर में झूठ का पुलिंदा इसलिए दिखता है क्योंकि इसका कोई ठोस रोडमैप नहीं बताया गया है। इस पर इस वजह से भी संदेह है कि राष्ट्रीय जनता दल के 15 साल के शासन का इतिहास सबने देखा है। उस समय तो सारी सरकारी नौकरियां धीरे धीरे समाप्त हो गई थीं। कोई भी साधारण समझ का व्यक्ति इस वादे की वास्तविकता की पड़ताल करके इसे खारिज कर सकता है। बिहार में 2.78 करोड़ परिवार हैं। फिलहाल 23 लाख लोग सरकारी नौकरी कर रहे हैं। अगर यह माना जाए कि 23 लाख परिवार से एक एक व्यक्ति सरकारी नौकरी कर रहा है तब भी 2.53 करोड़ परिवारों को नौकरी देनी होगी। करीब ढाई करोड़ लोगों को नौकरी देकर अगर न्यूनतम वेतन यानी 20 हजार रुपए का महीना दिया जाए तब भी हर महीने 50 हजार करोड़ रुपए यानी छह लाख करोड़ रुपए सालाना की अतिरिक्त न्यूनतम जरुरत होगी। इसके अलावा दूसरे खर्च हैं, जबकि बिहार का बजट इस साल पहली बार तीन लाख करोड़ रुपए से ऊपर गया है। दूसरा सवाल यह भी है कि बिहार की आबादी 13 करोड़ के करीब है और इनमें से अगर पौने तीन करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी दे देंगे तो उनसे क्या काम कराएंगे? हर चार आदमी पर एक आदमी सरकारी नौकरी कर रहा होगा! ध्यान रहे पूरे देश में केंद्र और सभी राज्य सरकारों के कर्मचारियो की संख्या साढ़े चार करोड़ के करीब है और श्री तेजस्वी यादव बिहार में ही पौने तीन करोड़ सरकारी नौकरी देने की बात कर रहे हैं! उनके इस एक वादे ने उनके घोषणापत्र की सारी बातों को आधारहीन बना दिया। इसी कारण राष्ट्रीय जनता दल के सहयोगियों को भी इस पर भरोसा नहीं है और जब उनको भरोसा नहीं है तो बिहार की जनता कैसे भरोसा करेगी! इसकी तुलना में अब एनडीए की घोषणापत्र की बात करें, जिसे संकल्प पत्र के रूप में प्रस्तुत किया गया तो दोनों में अंतर साफ साफ दिखाई देता है। एनडीए के संकल्प पत्र की शुरुआत एक करोड़ नौकरी और रोजगार देने के वादे से हुई है। पांच साल में सरकार एक करोड़ नौकरी और रोजगार देगी। यानी हर साल 20 लाख लोगों को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का रोडमैप है। नीतीश कुमार की सरकार ने पिछले पांच साल में 10 लाख सरकारी नौकरी दी है और 50 लाख रोजगार मुहैया कराया है। इसलिए अगले पांच साल में एक करोड़ नौकरी और रोजगार का वादा सचाई के नजदीक दिखाई देता है और लोग इस पर भरोसा कर सकते हैं। ध्यान रहे बिहार में तैयार किए गए बुनियादी ढांचे की वजह से पहली बार बिहार में निजी निवेश का रास्ता खुला है। 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का निजी निवेश बिहार में आ रहा है और बिहार की जीडीपी में उद्योग सेक्टर की हिस्सेदारी 26 फीसदी से ज्यादा हो गई है। इसलिए अगले पांच साल में रोजगार के अवसर बनेंगे और सरकार नौकरियां देने में भी सक्षम होगी। इसी तरह एनडीए के संकल्प पत्र में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की महिलाओं को सशक्त बनाने की योजनाओं पर खास ध्यान दिया गया है। महिलाओं के लिए कई घोषणाएं की गई हैं और लगभग सारी घोषणाएं ऐसी हैं, जिनको पूरा किया जा सकता है। उदाहरण के लिए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को दो लाख रुपए तक की सहायता का वादा किया गया है। ध्यान रहे चुनाव से पहले ही सरकार ने महिला उद्यमी योजना के तहत महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए भेजे हैं। इसी योजना को आगे बढ़ाया जाएगा। इसी तरह एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी योजना के तहत लखपति बनाने का वादा किया गया है। ध्यान रहे केंद्र की श्री नरेंद्र मोदी सरकार की लखपति दीदी योजना के तहत करोड़ों महिलाओं को लखपति बनाया जा चुका है। इसलिए इस वादे पर भी बिहार की महिलाएं निश्चित रूप से भरोसा करेंगी। महिला उद्यमियों को करोड़पति बनाने का वादा भी किया गया है। महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नीतीश कुमार ने पहले कार्यकाल में पोशाक और साइकिल की योजना शुरू की थी। अब एनडीए ने वादा किया है कि हर जिले में महिला छात्रावास खोले जाएंगे। बिहार की एक बड़ी समस्या हर साल आने वाली बाढ़ है। इस बार एनडीए के घोषणापत्र में बाढ़ की समस्या पर रोक लगाने का वादा किया गया है। साथ ही नदी जोड़ योजना के तहत कृषि योग्य सिंचित जमीन का एरिया बढ़ाने का वादा भी किया गया है। उद्योग के क्षेत्र में एक लाख करोड़ रुपए का निवेश करके कृषि आधारित उद्योगों और अन्य उद्योगों को बढ़ावा देने का वादा किया गया है। यह ध्यान रखने की बात है कि बिहार में बाढ़ की समस्या नेपाल से पानी छोड़े जाने की वजह से है। कोशी को बिहार का शोक कहते हैं और उसमें हर साल नेपाल के पानी की वजह से बाढ़ आती है। नेपाल के साथ वार्ता करके इस समस्या से बिहार को छुटकारा दिलाने का काम केंद्र सरकार के सहयोग के बगैर नहीं हो सकता है। बिहार की डबल इंजन सरकार को यह एडवांटेज है कि वह नेपाल से वार्ता करके वाढ़ की समस्या समाप्त करे और सिंचित क्षेत्र बढ़ा कर बिहार में कृषि व कृषि आधारित उद्योगों के लिए आदर्श स्थितियां बनाएं। कृषि के साथ मत्स्य पालन को बढ़ावा देने और इनके उत्पादों के निर्यात की सुविधा विकसित करने का वादा भी किया गया है। एनडीए के संकल्प पत्र में 50 लाख पक्के मकान बना कर गरीबों, वंचितों को सौंपने का वादा किया गया है। यह वादा भरोसे के लायक इसलिए है क्योंकि प्रधानमंत्री शहरी व ग्रामीण आवास योजना के तहत करोड़ों लोगों को पक्का मकान मिल चुका है। इसी तरह पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने का वादा किया गया है। यह भी आजमाया हुआ वादा है क्योंकि आयुष्मान भारत योजना के तहत लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। बिहार की श्री नीतीश कुमार सरकार ने जुलाई के महीने से ही 125 यूनिट बिजली फ्री कर दी है, जिसे आगे भी जारी रखने का वादा किया गया है। अगर शिक्षा के क्षेत्र में बात करें तो सबसे पहले सरकार एक लाख 60 हजार शिक्षकों की नियुक्ति करेगी। इस मामले में श्री नीतीश कुमार की सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड बहुत शानदार रहा है। उन्होंने पांच लाख के करीब शिक्षक नियुक्त किए हैं। शिक्षकों की नियुक्ति के साथ साथ एनडीए ने हर जिले में स्कूलों का कायाकल्प करने का वादा किया है। इसके अलावा नेतरहाट की तर्ज पर आवासीय विद्यालय खोलने और कृत्रिम बुद्धिमता यानी एआई के सेंटर बनाने का वादा भी किया गया है। युवाओं में कौशल विकास के केंद्र खोलने का वादा भी किया गया है। केंद्र सरकार की योजना का विस्तार करते हुए बिहार में पहली नौकरी पर 15 लाख युवाओं को 15 हजार रुपए दिए जाएंगे। स्नातक और पीजी की पढ़ाई करने वाले युवाओं को नौकरी मिलने तक 24 हजार रुपए रुपए साल के मिलेंगे। इस बीच उनको नौकरी या रोजगार के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। नई सरकार ने हर जिले में मेडिकल क़ॉलेज खोलने का संकल्प जताया है। इसलिए चाहे रोजगार का मामला हो या शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग या महिला व युवा सशक्तिकरण का वादा हो, एनडीए का घोषणापत्र जमीनी वास्तविकताओं पर आधारित है। एनडीए की ओर से ऐसे वादे किए गए हैं, जिनसे डबल इंजन की सरकार की निरंतरता का आभास होता है। दूसरी ओर महागठबंधन का घोषणापत्र झूठ का पुलिंदा दिखाई दे रहा है, जिसका एकमात्र मकसद किसी तरह से सत्ता हासिल करके बिहार को फिर से जंगल राज और लूट राज की ओर ले जाना है। इसलिए बिहार के मतदाताओं को लिए चुनाव कोई मुश्किल नहीं होगा। वे छह अक्टूबर को शासन की निरंतरता चुनेंगे और संकल्प को सिद्ध करने के श्री नरेंद्र मोदी और श्री नीतीश कुमार की उपलब्धियों को ध्यान में रख कर मतदान करेंगे।

# रो-को की सिडनी साझेदारी!

भारत के लिए सत्ताईस हजार से ज्यादा रन बनाने वाले विराट कोहली का आक्रामकता से निकल कर संतोष में खेलना भी सभी देख रहे हैं। अपन ने भी खेल के जीवन से ही जीवन का खेल भी समझा है। इसलिए दो शून्य के बाद सिडनी में एक रन बनाने का जो संतोष कोहली को मिला, वह वैसा ही था जो उनके खेल जीवन की शुरुआत में बनाए पहले रन में मिला होगा। भारत एकदिवसीय क्रिकेट श्रृंखला ऑस्ट्रेलिया से हार चुका था। इसके बावजूद चालीस हजार से ज्यादा क्रिकेट प्रेमी सिडनी मैदान पर आखिरी एकदिवसीय देखने पहुंचे। रोहित शर्मा और विराट कोहली को आस्ट्रेलिया में शायद आखिरी बार खेलते देखने का भी मौका था। हार के बाद भी उत्सव की आशा में सिडनी मैदान भारतीय प्रवासियों से खचाखच भरा था। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने सुख-संपन्नता के लिए सात-समुंदर पार, आस्ट्रेलिया में बसे एक भी भारतीय को निराश नहीं किया। रोहित-कोहली ने जो सिडनी में शानदार धाकड़ बल्लेबाजी की, उसने अपने ही घर में ऑस्ट्रेलिया की श्रृंखला जीत के जश्न को फीका कर दिया। मैच के बाद रो-को ने ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों को जुगलबंदी में धन्यवाद दिया। इसलिए जीवन के लगातार बदलते स्वरूप में, रो-को के 'टू।ओ' संस्करण

को समझें। जब रो-को सिडनी मैदान पर बल्लेबाजी के बादशाहों की तरह खेल रहे थे तो ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी रहे केरी ओ'कीफ ने साथी कमेंटेटर रवि शास्त्री से सवाल किया। पूछा कि, 'क्या आप मानते हैं कि विराट कोहली के आक्रामक व्यवहार ने भारत की क्रिकेट, उसके समाज, उसकी राजनीति और आर्थिकी को प्रभावित किया?' गर्व से भरे शास्त्री ने कहा, 'बेशक किया है।' कोहली का योगदान याद करते हुए, शास्त्री ने उनके द्वारा किए तप और त्याग का जिक्र भी किया। कोहली के आज को उनके बीते खेल-जीवन में देखें तो दो दृश्य सामने आते हैं। युवाओं ने आक्रामकता में कोहली के हवा में मुक्का मारने को खूब सराहा व आत्मसार किया था। और उसी कोहली ने सिडनी के आखिरी एकदिवसीय में दो शून्य के बाद खाता खोलने पर, व पहला रन बनाने पर जो संतोष में मुक्का दिखाया, वह भी देखा। भारत के लिए सत्ताईस हजार से ज्यादा रन बनाने वाले विराट कोहली का आक्रामकता से निकल कर संतोष में खेलना भी सभी देख रहे हैं। अपन ने भी खेल के जीवन से ही जीवन का खेल भी समझा है। इसलिए दो शून्य के बाद सिडनी में एक रन बनाने का जो संतोष कोहली को मिला, वह वैसा ही था जो उनके खेल जीवन की शुरुआत में बनाए पहले रन में मिला होगा। कोहली ने भी माना की, "क्रिकेट का महान खेल अद्भुत है। देश के लिए हजारों रन बनाने के बाद भी ऐसे दिन आ सकते हैं जब एक रन बनाना भी मुश्किल लगता है। खेल की यही चुनौती उनमें बल्लेबाजी का उत्साह भरती है। और खेलते रहने, रन बनाने के लिए प्रेरित करती है।" सिडनी पारी के दौरान मिचेल स्टार्क की एक गेंद पर कोहली ने अपने चिर-परिचित, शानदार अंदाज में सीधा ड्राइव मारा तो दूसरे कमेंटेटर ने कहा कि जब कोहली के खेल-जीवन पर किताब लिखी जाएगी तो इस शॉट का चित्र उसका कवर होना चाहिए। कोहली की महान खेल योग्यता के साथ-साथ जीवन में किए तप और त्याग का विशेष महत्व रहा है। जिसको युवा और क्रिकेट प्रेमी नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। वहीं सिडनी की दमदार, तेजतर्रार शतकीय पारी से रोहित शर्मा ने भी आत्मविश्वास भरा संतोष जताया। बताया कि अभी उनमें भी क्रिकेट बाकी है। जिस तरह एकदिवसीय टीम में रखते हुए उन्हें भारतीय कप्तानी से हटाया गया उस पर यह उनका तप था। दस किलो वजन कम कर के कोहली जैसा त्याग भी रोहित में है। वजन कम करने के ही कारण पिछले कई सालों में रोहित ने एक पारी में सौ से ज्यादा गेंद खेलने का खुद का रिकार्ड भी दोहराया। उनके लिए ऑस्ट्रेलिया में अच्छी बल्लेबाजी करना खास रहा है। इसी बातचीत के दौरान एडम गिल्क्रिस्ट ने बताया की रोहित और कोहली ने भारत के लिए साझेदारी में साढ़े-पांच हजार से ज्यादा रन बनाए। दोनों के खाते में कुल मिलाकर भारत के लिए 84 एकदिवसीय शतक हैं। और जिन परिस्थितियों में रो-को ने रन बनाए उसको बयान करने के लिए पूरी किताब भी कम पड़ सकती है। रोहित-कोहली ने अपनी बल्लेबाजी से जो उत्साह, जोश व आनंद भारत के, व दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को दिया उसका कोई सानी नहीं है। युवाओं को क्रिकेट खेलने के लिए प्रोत्साहित किया।

# 'एक दीवाने की दीवानियत' — टॉक्सिक जूनून!

'एक दीवाने की दीवानियत' पर सबसे बड़ा प्रश्न इसका 'संदेश' है। क्या यह फिल्म प्यार की ताकत दिखाती है या प्यार के नाम पर नियंत्रण की संस्कृति को बढ़ावा देती है? विक्रम का किरदार अपने प्रेम को इतनी तीव्रता से जीता है कि वह दूसरे की स्वतंत्रता का अतिक्रमण कर देता है। यह वही समस्या है जो हमारे समाज में 'टॉक्सिक रोमांस' की कहानियों के साथ बार-बार दोहराई जाती है — "अगर वो ना कहे तो और प्यार दिखाओ, पीछा करो, तब तक जब तक हां न कह दे।" आज के सिने-सोहबत में हालिया रिलीज़ हुई फ़िल्म 'एक दीवाने की दीवानीयत' जिसके निर्देशक हैं मिलाप मिलन झावेरी।कभी हिंदी सिनेमा में प्रेम कहानियाँ 'काजल और पलक के बीच' लिखी जाती थीं, जहां प्यार एक भाव था, एक प्रतीक्षा थी। परंतु आज की कुछ फिल्मों में प्यार अक्सर जुनून, ताबड़तोड़ पीछा और 'इंटेंस रोमांस' के नाम पर एक अस्वस्थ आसक्ति का रूप ले चुका है। 'एक दीवाने की दीवानियत' इसी बदलते सिनेमाई परिदृश्य का एक नया उदाहरण है, एक ऐसा रोमांटिक ड्रामा जो जितना दिल को छूने की कोशिश करता है, उतना ही असहज भी कर देता है। कहानी है विक्रम आदित्य भोसलें (हर्षवर्धन राणे) की, जो एक प्रभावशाली राजनेता का बेटा है। ज़िंदगी उसके लिए किसी विलासिता से कम नहीं, परंतु दिल के किसी कोने में एक खालीपन है। यह खालीपन उसे भरता है जब वह सुपरस्टार अदा रंधावा (सोनम बाजवा) से मिलता है। अदा एक चमकती, आत्मविश्वासी अभिनेत्री है जो अपने करियर की ऊंचाइयों पर है। विक्रम का आकर्षण जल्दी ही जुनून में बदल जाता है, और वहीं से शुरू होती है इस फिल्म की 'दीवानियत'। पहले आधे घंटे में फ़िल्म बड़ी शानोशौकत से एक क्लासिक प्रेम कहानी का माहौल रचती है — संगीत, लोकेशन, और कैमरे का रोमांटिक स्पर्श आपको पुराने ज़माने के 'दिलवाले' युग में ले जाता है। पर जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, यह 'रोमांस' एक अस्थिर दीवानगी में बदल जाता है, जहां प्यार और अधिकार की रेखा धुंधली पड़ जाती है। मिलाप झावेरी की फ़िल्मों में 'ड्रामा' कभी कम नहीं होता। इस फ़िल्म में भी हर संवाद, हर दृश्य में अतिनाटकीयता झलकती है। समस्या यह नहीं कि फिल्म नाटकीय है, बल्कि यह है कि वह प्रेम की बजाय 'पोस्सेस्सिवनेस्स' यानी स्वामित्व की कहानी कहती है। हर्षवर्धन राणे इस फ़िल्म की रीढ़ हैं। उनकी आंखों में बेचैनी, गुस्सा और चाहत

का तूफान एक साथ दिखता है। वे अपने किरदार को जीते हैं और यही वजह है कि उनकी मौजूदगी कई बार कमज़ोर पटकथा को भी संभाल लेती है। सोनम बाजवा अपने किरदार में संयमित हैं, पर स्क्रिप्ट उन्हें सीमित अवसर देती है। उनकी अदा का संघर्ष असली लगता है, लेकिन उनके किरदार को पर्याप्त गहराई नहीं दी गई। मिलाप झावेरी का निर्देशन तकनीकी रूप से सशक्त है। भव्य लोकेशंस, स्लो-मोशन शॉट्स, और क्लोज़-अप्स में वे पुराने बॉलीवुड की याद दिलाते हैं। पर उनकी कहानी आज के समाज की संवेदनशीलता से कटती हुई लगती है। जिस दौर में हम 'कंसेंट' (सहमति) और 'पर्सनल बाउंड्री' पर बात कर रहे हैं, उस दौर में विक्रम का प्यार, दरअसल, एक खतरनाक आसक्ति जैसा लगता है। फ़िल्म का संगीत निस्संदेह इसका सबसे बड़ा आकर्षण है। अरिजीत सिंह, जुबिन नौटियाल और श्रेया घोषाल जैसे गायक अपनी आवाज़ों से फिल्म को भावनात्मक ऊंचाई देते हैं। खासकर गीत 'तेरी यादों की रातें' दर्शकों के दिल में उतर जाता है। बैकग्राउंड स्कोर में जुनून और त्रासदी का मिश्रण है, जो कहानी के मूड को जीवंत रखता है। सिनेमेटोग्राफी में भव्यता है, चाहे मुंबई की राजनीतिक चमक हो या मनाली की पहाड़ियों का एकांत, कैमरा हर भावना को चित्र में ढाल देता है। लेकिन, यह सुंदरता कभी-कभी कहानी के सतहीपन को ढकने का काम ठीक उसी तरह करती है जैसे किसी टूटे आईने पर सोने की परत चढ़ा दी जाए। 'एक दीवाने की दीवानियत' पर सबसे बड़ा प्रश्न इसका 'संदेश' है। क्या यह फिल्म प्यार की ताकत दिखाती है या प्यार के नाम पर नियंत्रण की संस्कृति को बढ़ावा देती है?विक्रम का किरदार अपने प्रेम को इतनी तीव्रता से जीता है कि वह दूसरे की स्वतंत्रता का अतिक्रमण कर देता है। यह वही समस्या है जो हमारे समाज में 'टॉक्सिक रोमांस' की कहानियों के साथ बार-बार दोहराई जाती है — "अगर वो ना कहे तो और प्यार दिखाओ, पीछा करो, तब तक जब तक हां न कह दे।" फ़िल्में समाज का आईना होती हैं, और जब सिनेमा बार-बार ऐसे पात्रों को 'हीरो' बना देता है, तो वह अनजाने में उस असमानता को सामान्य बना देता है जो असल ज़िंदगी में महिलाओं को असुरक्षित करती है। 'एक दीवाने की दीवानियत' में झावेरी ने शायद 'दिवाना' के 90 के दशक वाले रोमांस की छाया दोहराने की कोशिश की है, पर समय बदल चुका है। आज का दर्शक प्रेम को बराबरी, सहमति और मानसिक स्थिरता के साथ देखना चाहता है। यह फिल्म इन मूल्यों से दूर जाती है — और यही इसकी सबसे बड़ी कमी है। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के नैरेटिव डिफेक्ट्स के बावजूद यह बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है खासकर सिंगल स्क्रीन थियेटरों में । बिजनेस और मार्केटिंग के नजरिए से देखें तो रिलीज़ के पहले दस दिनों में इसने करीब 50 करोड़ का कारोबार कर लिया है, जो एक मिड-बजट रोमांटिक ड्रामा के लिए एक शानदार आँकड़ा है। अगर इस फ़िल्म की मार्केटिंग को क़रीब से देखें तो इसमें दो रणनीतियाँ काफ़ी असरदार रहीं। पहली सोशल मीडिया पर हाइप का बनना और समाज में रील कल्चर का बढ़ता प्रभाव। फिल्म के गाने 'तू मेरी आदत बन गई' और 'तेरा नाम ज़ुबां पे है' इंस्टाग्राम पर वायरल हुए, जिससे युवा दर्शक थिएटर की ओर खिंचे। दूसरी ज़रुरी बात लगी स्टार इमेज ब्रांडिंग। हर्षवर्धन राणे की 'इंटेंस लवर' इमेज और सोनम बाजवा की ग्लैमरस लोकप्रियता ने इस फिल्म को ओपनिंग दिलाई। यह फ़िल्म यह भी दिखाती है कि आज के हिंदी सिनेमा में "टॉक्सिक रोमांस" एक बिज़नेस मॉडल की तरह काम कर रहा है — जहां कहानी से ज़्यादा 'इमोशनल एक्सट्रीम' बेचा जाता है। दर्शक भावनात्मक झूले पर झूलना पसंद करता है, चाहे वह कहानी कितनी भी पुरानी या विवादास्पद क्यों न हो। 'एक दीवाने की दीवानियत' में राजनीति केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि प्रतीक है एक ऐसे समाज की जहां शक्ति, प्रतिष्ठा और प्यार सब कुछ अधिकार के खेल में बदल जाते हैं। विक्रम का किरदार उस पितृसत्तात्मक सोच का प्रतीक है जो मानती है कि 'जो चाहो, पा लो'। ये एक तरह का जन्मजात 'एंटाइटलमेंट' की भावना ही है। सिनेमा में इस सोच का पुनरुत्थान खतरनाक संकेत है, क्योंकि यह 'पुरुष श्रेष्ठता' को फिर से रोमांटिक आवरण में पेश करता है। सोशल मीडिया पर कई युवाओं ने फिल्म को 'इंटेंस लव स्टोरी' कहा, लेकिन यही इंटेंसिटी अगर असल जीवन में दोहराई जाए, तो यह उत्पीड़न बन जाती है। झावेरी का सिनेमा अक्सर 'भावना के विस्फोट' पर टिका होता है लेकिन अगर वह विस्फोट सामाजिक असंतुलन को बढ़ाए, तो सिनेमा को आत्ममंथन करना चाहिए। फ़िल्म का संपादन ठीक-ठाक है, लेकिन दूसरे हिस्से में गति गिर जाती है। क्लाइमेक्स में कहानी जिस मोड़ पर पहुँचती है, वह नाटकीय तो है, पर विश्वसनीय नहीं। संवाद कई जगहों पर पुराने फ़ॉर्मूले जैसे लगते हैं — "प्यार किया है, अब दुनिया से लड़ूंगा" — जो अब सिनेमाई नॉस्टेल्जिया से ज़्यादा एक ट्रोप बन चुका है। 'एक दीवाने की दीवानियत' को एक पंक्ति में परिभाषित किया जाए तो यह "एक खूबसूरत पागलपन की कहानी है, जो खुद अपनी आग में जल जाती है।" फ़िल्म में जुनून है, ग्लैमर है, संगीत है लेकिन संवेदनशीलता की कमी है। यह एक ऐसी प्रेम कथा है जो अपने 'दीवानेपन' को महिमा मंडित करती है, पर दर्शक से यह नहीं पूछती कि उस दीवानगी की कीमत क्या है। समाज के लिए यह जरूरी है कि सिनेमा 'दीवानेपन' की नहीं, 'समझदारी' की कहानियाँ गढ़े क्योंकि आने वाली पीढ़ियाँ सिर्फ कहानी नहीं, उस कहानी का संदेश भी जीती हैं। ये समझना बहुत ज़रूरी है कि हम सिर्फ़ इस बहाने से टॉक्सिक फिल्में नहीं परोस सकते कि फिल्ममेकिंग एक व्यवसायिक उद्यम है और इसमें निवेश किये गए पैसे और मुनाफ़ा कमा पाना बहुत ज़रूरी है। साथ ही ये कि रियलिज़्म और सामाजिक परिवर्तन के नाम पर हम सिर्फ़ फ़ेस्टिवल फ़िल्में नहीं बना सकते जिन्हें देखने वालों की तादाद बहुत कम है।अगर इस ट्रेंड का संतुलित विश्लेषण करें तो बिज़नेस के लिहाज़ से यह फिल्म मुनाफ़ा ज़रूर कमा रही है लेकिन सांस्कृतिक रूप से यह हमें एक कदम पीछे ले जाती है। जब प्रेम की परिभाषा 'किसी को पाने' से आगे बढ़कर 'किसी को समझने' की हो जाएगी, तभी हम सच में कह पाएंगे कि सिनेमा बदला है।

**-पंकज दुबे**

# दुश्मन की हर हरकत पर होगी नजर... इसरो ने सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया देश का सबसे भारी सैटेलाइट

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 4,000 किलोग्राम से अधिक वजन वाले कम्युनिकेशन सैटेलाइट को रविवार को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया। यह लॉन्चिंग श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से की गई। सैटेलाइट को सफलतापूर्वक उसकी कक्षा में स्थापित कर दिया गया। इससे पहले क्रायोजेनिक स्टेज इग्नाइट हुआ था। LVM3-M5 पावर्ड फ्लाइट के आखिरी फेज में पहुंचा। पहले रॉकेट घने एटमॉस्फियर से बाहर निकला था। ऐसे में इसे एयरोडायनामिक हीटिंग से सुरक्षा की जरूरत खत्म हो गई थी। इसरो ने कन्फर्म किया है कि प्रोपल्शन बे के दरवाजे सफलतापूर्वक खुल गए हैं। सैटेलाइट के कंट्रोल सिस्टम ने ऑनबोर्ड थ्रस्टर्स का इस्तेमाल करके CMS-03 को उसकी ऑर्बिट में स्टेबल करने और गाइड करने का काम संभाल लिया है। LVM3-M5 लॉन्च में 8 सीक्वेंस थे। इसमें CMS-03 को लगभग 179 किलोमीटर की ऊंचाई पर, लगभग 10 km प्रति सेकंड की स्पीड से गाड़ी से अलग किया गया। लॉन्च वीकल की ऊंचाई 43.5 मीटर है, जिसका कुल लिफ्ट ऑफ मास 642 टन है। यह वीकल सैटेलाइट को जियो-सिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO) तक पहुंचाने के लिए तीन स्टेज के प्रोपेलेंट का इस्तेमाल करता है। इसरो ने कहा कि रविवार के मिशन का उद्देश्य यह है कि बहु-बैंड संचार उपग्रह सीएमएस-03 भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेगा। यह सैटेलाइट भारतीय नौसेना की जरूरतों को पूरा करने के लिए खास तौर पर बनाए गए स्वदेशी लेटेस्ट कंपोनेंट्स के साथ नेवी की स्पेस-बेस्ड कम्युनिकेशन और समुद्री इलाके की जानकारी रखने की कैपेबिलिटी को मजबूत करेगा। भारतीय नौसेना ने कहा कि यह सैटेलाइट अब तक का भारत का सबसे भारी कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जिसका वजन लगभग 4,410 किलोग्राम है। इसमें कई स्वदेशी लेटेस्ट कंपोनेंट्स शामिल हैं जिन्हें खास तौर पर भारतीय नौसेना की ऑपरेशनल ज़रूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। ISRO के अनुसार, CMS-03 एक मल्टी-बैंड कम्युनिकेशन सैटेलाइट है जो भारतीय जमीन के साथ-साथ एक बड़े समुद्री इलाके में सर्विस देगा। इस सैटेलाइट को मशहूर LVM3 लॉन्च वीकल से लॉन्च किया गया। इसी लॉन्च वीकल ने चंद्रयान-3 मिशन में भारत को चांद के साउथ पोल पर सफलतापूर्वक उतारा था। यह इस व्हीकल की पांचवीं ऑपरेशनल उड़ान थी। इससे पहले ISRO ने एक बयान में कहा था कि लगभग 4400kg वजन वाला CMS-03, भारत की धरती से जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO) में लॉन्च किया जाने वाला अब तक का सबसे भारी कम्युनिकेशन सैटेलाइट है। LVM3 के पिछले मिशन ने चंद्रयान-3 मिशन को लॉन्च किया था, जिसमें भारत चांद के साउथ पोल के पास सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बन गया था।

# अंतरिक्ष में जल्द दिखेगा सुपरमून का दिलचस्प नजारा, धरती के सबसे करीब आ रहा चांद

एजेंसी वॉशिंगटन

खगोलविज्ञानियों और अंतरिक्ष में दिलचस्पी रखने वालों को जल्द ही बेहद शानदार नजारे का दीदार होने वाला है। 5 नवम्बर बुधवार को आसमान में चांद थोड़ा और बड़ा और चमकीला दिखाई देगा। ऐसा सुपरमून की वजह से हो रहा है। सुपरमून तब होता है जब पूर्णिमा का चांद अपनी कक्षा में पृथ्वी के सबसे ज्यादा नजदीक होता है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का कहना है कि इस वजह से चांद साल के सबसे धुंधले चांद की तुलना में 30% ज्यादा चमकीला और 14% बड़ा दिखाई देता है। दरअसल, चंद्रमा पृथ्वी चक्कर लगाता है लेकिन यह कक्षा पूर्ण वृत्ताकार नहीं है। इसलिए जैसे-जैसे यह परिक्रमा करता है, नजदीक और दूर होता जाता है। 5 नवम्बर को होने वाला सुपरमून इस साल के तीन सुपरमून में से दूसरा और सबसे नजदीकी है। इस दौरान चांद पृथ्वी से लगभग 357000 किलोमीटर की दूरी पर होगा। लोवेल ऑब्जर्वेटरी के खगोलशास्त्री लॉरेंस वासरमैन का कहना है कि सुपरमून के दौरान समुद्र में ज्वार थोड़ा ज्यादा हो सकता है, क्योंकि चांद पृथ्वी के ज्यादा नजदीक होगा। हालांकि, यह अंतर ज्यादा दिखाई नहीं देगा। अगर आसमान साफ हो तो सुपरमून देखने के लिए किसी विशेष उपकरण की जरूरत नहीं होती। अगर आसमान साफ हो तो सुपरमून देखने के लिए किसी विशेष उपकरण की जरूरत नहीं होती। हालांकि, चंद्रमा के आकार में परिवर्तन को नंगी आंखों से देख पाना कठिन हो सकता है। खगोल विज्ञानियों का कहना है कि यह अंतर अन्य तस्वीरों या अवलोकनों की तुलना में सबसे साफ होता है। सुपरमून शब्द पहली बार 1979 में खगोलशास्त्री रिचर्ड नोले ने इस पूर्ण चंद्रमा के लिए इस्तेमाल किया था, जो साफ तौर पर बड़े और चमकीले दिखाई देते हैं। नवम्बर का बीवर मून इस साल पृथ्वी का सबसे निकटतम पूर्ण चंद्रमा होगा, इसलिए यह सबसे चमकीला होगा और सबसे बड़ा दिखाई देगा।

# पाकिस्तान बरसा रहा बम, भारत ने भेजी अनमोल मदद... दिल्ली के फैसले ने जीता अफगानियों का दिल, मुनीर को लगेगी मिर्ची

एजेंसी काबुल

भारत ने एक बार फिर अफगानिस्तान की बड़ी मानवीय मदद की है। भारत की ओर से मानवीय सहायता के तहत अफगानिस्तान को वेक्टर जनित रोगों (संक्रमण से फैलने वाली बीमारी) के लिए 16 टन दवाइयां और डायग्नोस्टिक किट दी हैं। ये दवाएं तालिबान शासन के जन स्वास्थ्य मंत्रालय को सौंपी गई हैं। मुश्किल स्थिति से जूझ रहे अफगानिस्तान के लिए ये अनमोल मदद है। खासतौर से देश के स्वास्थ्य से जुड़े सेक्टर को इससे काफी राहत मिलेगी। भारत की ओर से ये मदद ऐसे समय दी गई है, जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान में तनातनी चल रही है। एक और पाकिस्तानी आर्मी अफगानिस्तान में हमले कर रही है और अफगान शरणार्थियों को निकाल रही है तो भारत की ओर से अफगानी लोगों की मदद की जा रही है। इससे असीम मुनीर और शहबाज शरीफ की अफगान नीति संकट में पड़ सकती है। भारत की ओर से भेजी गई दवाएं अफगानिस्तान के मलेरिया और वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के राष्ट्रीय कार्यक्रम के समर्थन के लिए हैं। भारत के इस कदम का उद्देश्य मलेरिया, डेंगू और लीशमैनियासिस जैसी बीमारियों से निपटने की काबुल की क्षमता को मजबूत करना है। अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि यह सहायता देश के स्वास्थ्य सेवा ढांचे को बेहतर बनाने और रोग नियंत्रण प्रयासों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। भारत ने बीते महीने भी अफगानिस्तान को दवाएं और दूसरी जरूरी चीजों की मदद भेजी थी। अफगानिस्तान में भूकंप से हुई तबाही के बाद भारत की ओर से लगातार मदद काबुल को दी गई है। भारत की ये नई मानवीय सहायता चाबहार बंदरगाह के जरिए काबुल पहुंचाई गई थी। चाबहार पोर्ट भारत और अफगानिस्तान के लिए एक अहम रास्ता बन रहा है। भारत ने इससे पहले काबुल भेजी खेप में खाद्य सामग्री, वाटर प्यूरीफायर, प्रोटीन पाउडर, टिन की चादरें, स्लीपिंग बैग, स्वच्छता किट, जल भंडारण टैंक, जनरेटर सेट, पारिवारिक टेंट, कंबल, आवश्यक दवाइयां शामिल थीं। भारत ने सितंबर के महीने की शुरुआत में हवाई मार्ग से 21 टन राहत सामग्री अफगानिस्तान भेजी थी। इस सामग्री में टेंट, कंबल, चिकित्सा किट और बिजली जनरेटर शामिल थे।

# पहले चीन ने डोरे डाले, अब अमेरिका लुभा रहा... वियतनाम में दो महाशक्तियों की जंग, कौन मारेगा बाजी

एजेंसी हनोई

वियतनाम दुनिया की दो शीर्ष महाशक्तियों के बीच जंग का मैदान बनता जा रहा है। पहले चीन ने वियतनाम पर डोरे डाले और अब अमेरिका इस देश को लुभाने की कोशिशें कर रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने रविवार को वियतनाम का दौरा किया। इस दौरान कहा कि अमेरिका वियतनाम के साथ और गहरा सैन्य सहयोग चाहता है। उनका हनोई में शीर्ष वियतनामी नेताओं के साथ मुलाकात का कार्यक्रम भी है। हालांकि, पीट हेगसेथ की यात्रा से चीन खुश नहीं है। उसने हनोई में अपने दूतावास को इस यात्रा पर करीबी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। रक्षा मंत्री फान वान गियांग के साथ बैठक से पहले बोलते हुए, अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि वियतनाम के साथ वाशिंगटन के सैन्य संबंधों में वियतनामी तटरक्षक बल को तीन कटर और तीन टी-6 प्रशिक्षण विमान शामिल हैं, जो 12 विमानों के ऑर्डर में से हैं। हेगसेथ ने कहा, "अमेरिका इन परियोजनाओं और अन्य परियोजनाओं को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।" उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका एक मजबूत और स्वतंत्र वियतनाम का समर्थन करता है। 14-18 अप्रैल, 2025 तक, चीन के राष्ट्रपति और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव शी जिनपिंग ने वियतनाम, मलेशिया और कंबोडिया की राजकीय यात्रा की थी। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि चीन के वियतनाम का महत्व कितना ज्यादा है। हालांकि, चीन और वियतनाम के संबंध जटिल हैं, जिनमें मजबूत आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी के साथ-साथ ऐतिहासिक और क्षेत्रीय विवाद भी शामिल हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार बहुत अधिक है, लेकिन दक्षिण चीन सागर में समुद्री विवादों के कारण तनाव भी बना हुआ है। चीन वियतनाम का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, जबकि वियतनाम चीन के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश गंतव्य के रूप में उभरा है। दोनों देशों ने 2013 में एक "व्यापक रणनीतिक साझेदारी" स्थापित की थी और 2024 में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। वियतनाम रणनीतिक रूप से चीन के सबसे करीब स्थित है। वह चीन के साथ स्थलीय सीमा भी साझा करता है। चीन और वियतनाम के बीच युद्ध भी हो चुका है। यही कारण है कि वियतनामी लोग चीन पर आसानी से विश्वास नहीं करते हैं। हालांकि, भौगोलिक और आर्थिक मजबूरियों के कारण वे चीन के करीब हैं। ऐसे में अमेरिका को इसमें मौका दिखता है और वह वियतनाम को अपने पाले में करने की कोशिश कर रहा है।

# सबके सामने मत पूछो... पाकिस्तान के सीक्रेट हाइपरसोनिक मिसाइल टेस्ट पर ख्वाजा आसिफ ने बढ़ाया सस्पेंस

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल के टेस्ट से जुड़ी अटकलों को तेज कर दिया है। ख्वाजा ने मिसाइल के टेस्ट खंडन नहीं करते हुए कहा कि वह इस बारे में सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहेंगे। हालांकि उन्होंने टेस्ट की पुष्टि भी नहीं की लेकिन उनके अस्पष्ट जवाब ने कई तरह की बातों को जन्म दिया है। कई लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या सचमुच पाकिस्तान ने मिसाइल टेस्ट किया है। समा टीवी के एक कार्यक्रम में आसिफ से पूछा गया था कि देश में पाकिस्तान आर्मी के इस सप्ताह की शुरुआत में सीक्रेट मिसाइल परीक्षण करने की चर्चा है। आप रक्षा मंत्री के तौर पर बताएं कि इसमें कितनी सच्चाई है। इस पर आसिफ ने कहा, 'ये सारे सवाल यहां मत पूछिए। ऐसी बातें निजी तौर पर पूछिए। इस पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं हो सकती है।' पाकिस्तान के हाइपरसोनिक मिसाइल परीक्षण की अटकलें तब शुरू हुईं, जब इस हफ्ते क्वेटा के निवासियों ने एक तश्तरीनुमा बादल आसमान में देखा। मंगलवार (28 अक्टूबर) की सुबह क्वेटा और बलूचिस्तान के आसपास के इलाकों में दुर्लभ लेंटिकुलर बादल देखे जाने की बात कई लोगों ने कही। इसे कई लोगों ने सीक्रेट मिसाइल टेस्ट बताया। इस पर पाकिस्तान सरकार की ओर से कोई बयान ना आने की वजह से अफवाहों का बाजार गर्म हो गया। हालांकि शुरुआत में आसिफ से इन खबरों को महज अटकलें बताकर खारिज कर दिया था। इसके बाद टेलीविजन इंटरव्यू के दौरान उन्होंने इसका सीधा जवाब ना देकर एक नई बहस को जन्म दे दिया है। हालांकि एक्सपर्ट ने आसमान में दिखे बादलों को एक मौसमी घटना बताकर मिसाइल टेस्ट की बात खारिज की है। पाकिस्तान के मिसाइल टेस्ट के दावों पर दुनिया का ध्यान गया है। इसकी वजह पाकिस्तान का हालिया रुख है। पाकिस्तान में मई में भारत के साथ हुए सैन्य संघर्ष के बाद अपनी फौजी ताकत को लेकर चिंता दिखी है। पाकिस्तान ने बीते कुछ समय में अपने हथियार बढ़ाने और सैन्य ताकत को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर मिसाइल टेस्ट की अपुष्ट खबरें तेजी से वायरल हो गईं।

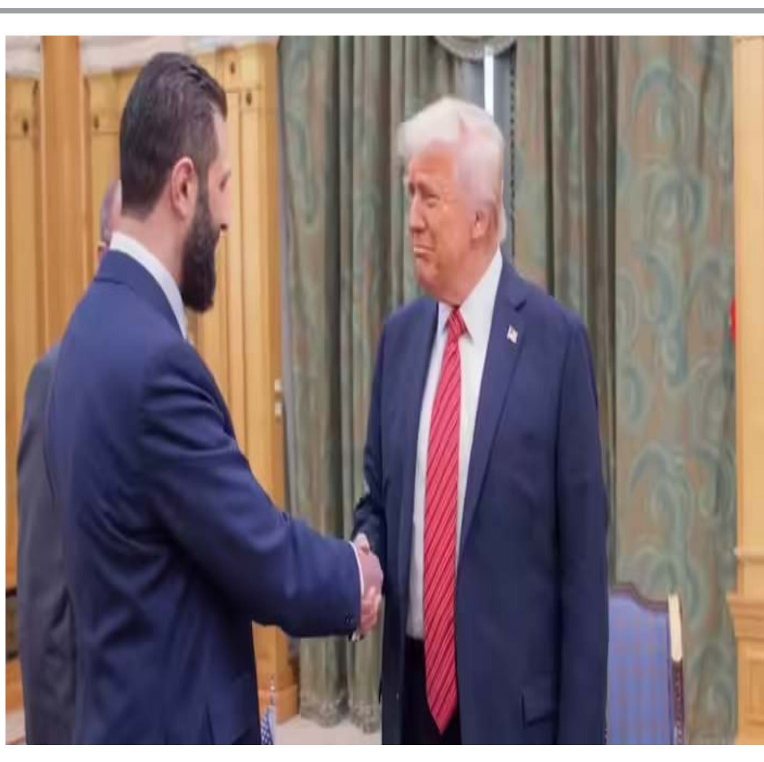

# सीरिया में ऐसा क्या है, जो 'अल कायदा आतंकी' को चीफ गेस्ट बनाने को मजबूर ट्रंप, व्हाइट हाउस बुला रहे

एजेंसी वॉशिंगटन

अल कायदा आतंकवादी से सीरिया के राष्ट्रपति बने अहमद अल-शरा व्हाइट हाउस के मेहमान बनने वाले हैं। लोकतंत्र के चैंपियन और आतंकवाद से कभी समझौता न करने वाले देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अहमद अल-शरा की अगवानी करने वाले हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर सीरिया में ऐसा क्या है, जिसने अमेरिका को एक पूर्व अल कायदा आतंकवादी को सरकारी मेहमान बनाने के लिए मजबूर कर दिया है। सीरिया ने पुष्टि की है कि अहमद अल-शरा नवंबर की शुरुआत में व्हाइट हाउस जाएंगे और सीरिया के पुनर्निर्माण पर चर्चा करेंगे। सीरियाई विदेश मंत्री असद अल-शैबानी ने पुष्टि की है कि राष्ट्रपति अहमद अल-शराआ नवंबर की शुरुआत में व्हाइट हाउस जाएंगे। अमेरिकी विशेष दूत टॉम बैरक ने पिछले दिन कहा था कि शरा वाशिंगटन जाएंगे, जबकि व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बाद में कहा कि यह यात्रा 10 नवंबर के आसपास होगी। शैबानी ने कहा, "प्रतिबंधों को हटाने और संयुक्त राज्य अमेरिका और सीरिया के बीच एक नए अध्याय की शुरुआत से लेकर कई मुद्दों पर बातचीत होगी। हम दोनों देशों के बीच एक बहुत मजबूत साझेदारी स्थापित करना चाहते हैं।" अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, इससे पहले किसी भी सीरियाई राष्ट्रपति ने वाशिंगटन की आधिकारिक यात्रा नहीं की है। शरा ने सितंबर में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया था। पिछले दिसंबर में बशर अल-असद से सत्ता हथियाने के बाद से, शरा ने कई विदेश यात्राएं की हैं। उनकी अंतरिम सरकार विश्व शक्तियों के साथ सीरिया के संबंधों को फिर से स्थापित करना चाहती है, जिन्होंने असद के शासन के दौरान दमिश्क को छोड़ दिया था। अहमद अल-शरा को अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नाम से भी जाना जाता है। वर्तमान में वह सीरिया की अंतरिम सरकार में राष्ट्रपति हैं। वह एक खूंखार इस्लामिक मिलिशिया तहरीर अल-शाम के प्रमुख भी हैं। उनका नाम अल-कायदा से संबद्ध सीरियाई अल-नुसरा फ्रंट के संस्थापक और अमीर के रूप में प्रमुखता से उभरा। उनके नेतृत्व में अल-नुसरा फ्रंट ने सीरिया के उत्तर-पश्चिमी इदलिब प्रांत को अपना गढ़ बनाया। उनके नेतृत्व में ही 2016 में अल-नुसरा ने अल-कायदा से संबंध तोड़ लिए और अगले वर्ष इसे अन्य संगठनों के साथ मिलाकर तहरीर अल-शाम बना लिया। इस सीरियाई विद्रोही समूह ने 2024 में राष्ट्रपति बशर-अल असद को हटाकर सीरिया पर कब्जा कर लिया था। सीरिया में अमेरिका दशकों से दखलअंदाजी कर रहा है। जब बशर अल-असद सत्ता में थे, तब भी अमेरिका ने अपनी सैन्य टुकड़ी को सीरिया में तैनात कर दिया था। उस समय असद को अमेरिका का घोर विरोधी माना जाता था, लेकिन जमीन पर मौजूद हालात के कारण तत्कालीन सीरियाई सेना अपनी संप्रभुता की सुरक्षा करने में सक्षम नहीं थी। अमेरिका ने इसका फायदा उठाया और असद के खिलाफ विद्रोही समूहों को हथियार, तकनीक और दूसरी सहायता उपलब्ध कराई। 2011 में गृहयुद्ध शुरू होने के तुरंत बाद ओबामा प्रशासन ने सीरिया पर प्रतिबंध लगा दिए और टिम्बर साइकैमोर को गुप्त रूप से अधिकृत करके फ्री सीरियन आर्मी के विद्रोही गुट का समर्थन किया। इसके तहत केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) ने विद्रोहियों को हथियार और प्रशिक्षण दिया।

# दीप्ति शर्मा का ऑलराउंडर जलवाः `प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बन रचा नया इतिहास

एजेंसी मुंबई

दीप्ति शर्मा ने रविवार को नवी मुंबई में हुए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर भारत को पहली बार महिला विश्व कप का खिताब दिलाने के लिए एक शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। इस ऑलराउंडर को 215 रन बनाने और 22 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया, जिसमें उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से निर्णायक भूमिका निभाई। फाइनल में दीप्ति की पारी एक महत्वपूर्ण समय पर आई जब भारत को बीच के ओवरों में स्थिरता की जरूरत थी। उनके धैर्यपूर्ण 58 रनों ने पारी को संभाला और टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने में मदद की, इससे पहले कि उन्होंने गेंद से मैच का रुख पलट दिया, पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी लाइनअप को ध्वस्त कर दिया, क्योंकि उन्होंने 9.3 ओवर में 5/39 रन बनाए। पूरे टूर्नामेंट में अपनी अविश्वसनीय निरंतरता के साथ, दीप्ति महिला विश्व कप के इतिहास में पहली खिलाड़ी बन गईं नौ मैचों और सात पारियों में, उन्होंने 30.71 की औसत और 90.71 की स्ट्राइक रेट से 215 रन बनाए, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल थे, और उनका उच्चतम स्कोर 58 रन था। वह गेंद से भी उतनी ही शानदार रहीं, और 24.11 की औसत से 22 विकेट लेकर टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली खिलाड़ी रहीं, और उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 5/39 रहा। दीप्ति ने इस दौरान कई रिकॉर्ड भी तोड़े। अब वह किसी एक महिला विश्व कप में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड रखती हैं, उन्होंने 1981-82 संस्करण में शुभांगी कुलकर्णी के 20 विकेट और 2005 विश्व कप में नीतू डेविड के 20 विकेट को पीछे छोड़ दिया। वह महिला विश्व कप फाइनल में पांच विकेट लेने वाली पहली भारतीय भी बनीं।

कुल मिलाकर, दीप्ति के प्रदर्शन ने उन्हें विश्व कप इतिहास में भारत की सबसे महान गेंदबाजों में शामिल कर दिया है। वह अब महिला विश्व कप मैचों में 36 विकेट के साथ भारत की ओर से दूसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं, उनसे आगे केवल झूलन गोस्वामी हैं, जिनके नाम 43 विकेट हैं। डायना एडुल्जी 31 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि नीतू डेविड और पूर्णिमा राउ के नाम 30-30 विकेट हैं। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। स्मृति मंधाना (58 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 45 रन) और शेफाली वर्मा के बीच शतकीय साझेदारी ने भारत के लिए शुरुआत की, इसके बाद शेफाली (78 गेंदों में सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 87 रन) और जेमिमा रोड्रिग्स (37 गेंदों में एक चौके की मदद से 24 रन) के बीच 62 रनों की साझेदारी हुई। भारत 166/2 के बेहतरीन स्कोर पर था।

# महिला टीम की ऐतिहासिक जीतः देश गौरवान्वित, बेटियों के लिए प्रेरणा का नया अध्याय शुरू

एजेंसी मुंबई

पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान में टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आईसीसी महिला विश्व कप में ऐतिहासिक जीत के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल इतिहास रचा है, बल्कि एक ऐसी विरासत भी बनाई है जो आने वाली लड़कियों को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। 2005 और 2017 के फाइनल में मिली हार के बाद, किस्मत, कौशल, संतुलन और गहराई ने टीम इंडिया का साथ दिया; भारतीय महिला टीम ने पहली बार फाइनल में पहुँची दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर टी20 और वनडे दोनों प्रारूपों में अपना पहला विश्व कप खिताब जीता।

शैफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा का हरफनमौला प्रदर्शन खिताबी मुकाबले में टीम के लिए सबसे यादगार रहा। भारतीय महिला टीम को बधाई देते हुए, गौतम गंभीर ने X पर लिखा, "आपने न केवल इतिहास रचा है, बल्कि एक ऐसी विरासत भी बनाई है जो आने वाली लड़कियों को प्रेरित करेगी!" भारतीय क्रिकेट जगत ने भी भारत की सराहना की क्योंकि उसने आखिरकार विश्व खिताब के सूखे को तोड़ते हुए रविवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में पहली बार फाइनल में पहुँची दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपना पहला आईसीसी महिला विश्व कप खिताब हासिल किया।

भारतीय बल्लेबाज़ विराट कोहली ने पहली बार आईसीसी महिला विश्व कप जीतने पर राष्ट्रीय महिला टीम की सराहना करते हुए कहा कि वे अपनी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए सभी प्रशंसा की पात्र हैं, जिसने "वर्षों की कड़ी मेहनत को आखिरकार साकार किया"। विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि लड़कियों ने इतिहास रच दिया है, और एक भारतीय होने के नाते, इतने सालों की कड़ी मेहनत को आखिरकार साकार होते देखकर मुझे बहुत गर्व हो रहा है। वे सभी प्रशंसा की पात्र हैं और इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने के लिए हरमन और पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। साथ ही पूरी टीम और प्रबंधन को पर्दे के पीछे के काम के लिए बधाई। शाबाश भारत। इस पल का पूरा आनंद लें। यह हमारे देश में लड़कियों की पीढ़ियों को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। जय हिंद। भारतीय बल्लेबाज़ सचिन तेंदुलकर ने यह भी बताया कि जिस तरह 1983 में पुरुष टीम की विश्व कप जीत ने एक पूरी पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया, उसी तरह इस भारतीय टीम ने "देश भर की अनगिनत युवा लड़कियों को बल्ला और गेंद थामने के लिए प्रेरित किया है"। सचिन ने X पर पोस्ट किया कि 1983 ने एक पूरी पीढ़ी को बड़े सपने देखने और उन सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। आज, हमारी महिला क्रिकेट टीम ने सचमुच कुछ खास किया है। उन्होंने देश भर की अनगिनत युवा लड़कियों को बल्ला और गेंद थामने, मैदान पर उतरने और यह विश्वास करने के लिए प्रेरित किया है कि वे भी एक दिन वह ट्रॉफी उठा सकती हैं। यह भारतीय महिला क्रिकेट के सफ़र में एक निर्णायक क्षण है। शाबाश, टीम इंडिया। आपने पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

# देश को पहला महिला विश्व कपः स्मृति मंधाना ने कहा- इस पल के लिए 45 रातों की नींद भी कुर्बान

एजेंसी मुंबई

आईसीसी महिला विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद, भारतीय बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना, जो टूर्नामेंट में दूसरी सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं, ने ख़िताब जीतने पर अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा कि यह सिर्फ़ टूर्नामेंट जीतने की बात नहीं थी, बल्कि टीम पर महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने की एक बड़ी ज़िम्मेदारी थी। स्मृति का अविश्वसनीय विश्व कप अभियान रिकॉर्डों से भरा रहा और पिछले दो संस्करणों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, आखिरकार उन्हें विश्व कप ट्रॉफी तक पहुँचाया। उन्होंने मिताली राज को पीछे छोड़ते हुए किसी भारतीय बल्लेबाज़ द्वारा अब तक का सर्वश्रेष्ठ विश्व कप जीता, उन्होंने नौ पारियों में 54.25 की औसत से 434 रन बनाए, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल थे और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 109 रहा।

मैच के बाद बोलते हुए, मंधाना ने कहा, "हम जितने भी विश्व कप में गए हैं, हम सभी के लिए कई निराशाजनक प्रदर्शन रहे हैं। लेकिन हमारा हमेशा से मानना रहा है कि हमारी ज़िम्मेदारी ज़्यादा है - सिर्फ़ जीतना ही नहीं, बल्कि महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाते रहना।" स्मृति ने यह भी कहा कि पिछले डेढ़ महीने में घरेलू दर्शकों से मिला समर्थन अविश्वसनीय रहा है और उन्होंने कहा कि वे 45 रातें बिना सोए बिताना सार्थक रहा। उन्होंने कहा कि आज आखिरकार विश्व कप जीतना - मैं इस पल के लिए उन 45 रातों की नींद हराम कर दूँगा। पिछला विश्व कप हम सभी के लिए निश्चित रूप से कठिन था। लेकिन उसके बाद, हमारा स्पष्ट लक्ष्य था - हर क्षेत्र में और अधिक फिट, मज़बूत और बेहतर बनना। और सच कहूँ तो, इस टीम की ख़ास बात - और कोई भी इसके बारे में बात नहीं करता - यह है कि हम कितने एकजुट रहे। सभी ने अच्छे और बुरे दिनों में एक-दूसरे का साथ दिया। हमने एक-दूसरे की सफलता का सच्चे दिल से जश्न मनाया। इस बार टीम का माहौल... बहुत सकारात्मक और जुड़ाव भरा था। मुझे लगता है कि यही सबसे बड़ा अंतर रहा है।

दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। स्मृति मंधाना (58 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 45 रन) और शेफाली वर्मा के बीच शतकीय साझेदारी ने भारत के लिए जीत की शुरुआत की, इसके बाद शेफाली (78 गेंदों में सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 87 रन) और जेमिमा रोड्रिग्स (37 गेंदों में एक चौके की मदद से 24 रन) के बीच 62 रनों की साझेदारी हुई। भारत 166/2 के बेहतरीन स्कोर पर था। कप्तान हरमनप्रीत कौर (29 गेंदों में दो चौकों की मदद से 20 रन) और दीप्ति शर्मा के बीच 52 रनों की साझेदारी ने भारत को 200 रनों के पार पहुंचाया। दीप्ति (58 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 58 रन) और ऋचा घोष (24 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 34 रन) की शानदार पारियों की बदौलत भारत 50 ओवरों में 298/7 के स्कोर तक पहुँच पाया। अयाबोंगा खाका (3/58) दक्षिण अफ्रीका के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

## व्यापार

# भारत के लिए बहुत कुछ गलत हो सकता है...कंट्रोल के बाहर, दिग्गज अर्थशास्त्री ने बताया कहां खतरा

एजेंसी नई दिल्ली

भारत की आर्थिक नींव मजबूत है। लेकिन, देश के विकास के लिए असली खतरे इसकी सीमाओं के बाहर हैं। मॉर्गन स्टैनली के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ इंडिया इक्विटी स्ट्रैटेजिस्ट रिधम देसाई ने यह बात कही है। उन्होंने बिजनेस स्टैंडर्ड बीएफएसआई समिट में बताया कि भले ही कंपनियों और घरों की बैलेंस शीट अच्छी है और सुधारों से रफ्तार मिल रही है। लेकिन, दुनिया रिकॉर्ड कर्ज, घटती आबादी और अप्रत्याशित भू-राजनीतिक बदलावों का सामना कर रही है। देसाई ने कहा कि भारत के लिए बहुत कुछ गलत हो सकता है। इनमें से ज्यादातर चीजें भारत के नियंत्रण से बाहर हैं। ये स्थिति को और खराब बनाती हैं। कारण है कि जिन चीजों को आप कंट्रोल कर सकते हैं, उन्हें आप पहले से ठीक कर सकते हैं। देसाई ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के घरेलू आर्थिक हालात बेहद मजबूत हैं। उन्होंने कहा, 'हमारी कंपनियों की बैलेंस शीट बहुत साफ-सुथरी है। मैं इस आम धारणा से सहमत नहीं हूं कि घरों की बैलेंस शीट पर बोझ है। ऐसा बिल्कुल नहीं है, यह ठीक है। इसलिए बैलेंस शीट पर कोई समस्या नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि भारत को सुधारों से भी काफी फायदा मिल रहा है। देसाई के मुताबिक, 'भारत में बहुत सारे आसान मौके हैं। हमें बस अपना हाथ बढ़ाना है और उन्हें हासिल करना है। अचानक आपको विकास के बड़े अवसर मिलेंगे।' उन्होंने समझाया कि इसके लिए किसी बड़े कानून की जरूरत नहीं है, बल्कि ये बहुत आसान कदम हैं जिन्हें उठाया जा रहा है। हालांकि, देसाई ने भारत के बाहर गहरी संरचनात्मक चुनौतियों के बारे में चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'दुनिया रिकॉर्ड कर्ज पर बैठी है और बूढ़ी हो रही है। यह कोई अच्छी बात नहीं है।' उन्होंने एलन मस्क की बात का समर्थन करते हुए कहा कि दुनिया की आबादी की समस्या जलवायु परिवर्तन से कहीं बड़ी है क्योंकि इंसान अभी तक घटती आबादी को कैसे पलटा जाए, यह नहीं सीख पाए हैं। देसाई ने भारत की आबादी को देश का 'सबसे बड़ा बचाव' बताया, खासकर ऐसे समय में जब खपत बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'दुनिया रोबोट की बात करती है, लेकिन रोबोट कपड़े नहीं पहनते। वे कार नहीं चलाते। वे खाना नहीं खाते। वे छुट्टियां नहीं मनाते। वे उपभोक्ता नहीं हैं। अगर रोबोट हमारी फैक्ट्रियां चलाने लगे तो वे किसके लिए चीजें बनाएंगे? वे इंसानों के लिए चीजें बनाएंगे। इस देश में दुनिया में कहीं के मुकाबले सबसे ज्यादा इंसान हैं।' अर्थशास्त्री ने बताया कि इसी वजह से बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत की ओर आकर्षित हो रही हैं। उन्होंने कहा, 'कुछ कंपनियां प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) करेंगी और कहेंगी कि उन्हें भारत में एक फैक्ट्री चाहिए। कुछ ऐसा नहीं करेंगी - बाद में, मुझे लगता है कि उनका नजरिया बदलेगा।' मॉर्गन स्टैनली का अनुमान है कि अगले 10-15-20 सालों में भारत वैश्विक विकास का एक-पांचवां हिस्सा होगा यानी 20%। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कौन सा उत्पाद या सेवा बेचते हैं। भारत आपकी कमाई में 10% से लेकर 100% तक का योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर आप भारत में नहीं हैं तो आपको शुभकामनाएं।' देसाई ने भू-राजनीतिक चुनौतियों के बारे में भी आगाह किया, यह कहते हुए कि भारत का तत्काल परिवेश कठोर बना हुआ है। उन्होंने कहा, 'हम अपने पड़ोसियों को नहीं चुनते। लेकिन, हमारे ज्यादातर पड़ोसी या तो दिवालिया हैं - राजनीतिक और वित्तीय दोनों तरह से - या कम से कम किसी न किसी रूप में दिवालिया हैं। इसलिए यह हमेशा किसी न किसी तरह से भारत को खतरा पहुंचाता है और इसे देखना होगा।'

# जापान जैसी गलती पड़ेगी भारी...अमेरिका से डील में बड़े वादे खतरनाक, रघुराम राजन की चेतावनी

एजेंसी नई दिल्ली

आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में भारत के लिए टैरिफ रेंज बताई है। दिग्गज अर्थशास्त्री ने 10-20% टैरिफ का लक्ष्य रखने की सलाह दी है। उन्होंने आगाह किया है कि जापान जैसे देशों की तरह 'भारी' प्रतिबद्धताएं न की जाएं। राजन का मानना है कि विकसित देशों ने भले ही कम टैरिफ हासिल कर लिए हों। लेकिन, भारत को पूर्वी और दक्षिण एशिया के अपने प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बने रहना चाहिए। राजन ने 'डीकोडर' को दिए इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत में भारत के लिए 'शून्य टैरिफ' सबसे अच्छा होगा। लेकिन, उन्होंने जोर दिया कि भारत को अपने प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले पिछड़ना नहीं चाहिए। उन्होंने बताया कि पूर्वी और दक्षिण एशिया के कई देशों ने लगभग 19% टैरिफ पर समझौता किया है। वहीं, यूरोप और जापान जैसे विकसित देशों ने 15% और सिंगापुर ने 10% टैरिफ हासिल किया है। राजन के अनुसार, भारत को इसी दायरे में रहना चाहिए और ऐसी कोई भी प्रतिबद्धता नहीं करनी चाहिए जो उसकी अर्थव्यवस्था पर बोझ डाले। रघुराम राजन के मुताबिक, '10 से 20 के बीच कुछ भी बढ़िया होगा। महत्वपूर्ण यह है कि हम ऐसी प्रतिबद्धताएं न करें जो भारी हों और जिन्हें पूरा करना हमारे लिए मुश्किल हो।' राजन ने जापान और यूरो क्षेत्र के उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने भारी निवेश की प्रतिबद्धताएं की हैं। इससे अमेरिका को बड़ा फायदा होने की उम्मीद है। उन्होंने सवाल उठाया कि ये देश अपनी अर्थव्यवस्थाओं को भारी नुकसान पहुंचाए बिना इन प्रतिबद्धताओं को कैसे पूरा करेंगे। जाने-माने अर्थशास्त्री राजन ने यह भी चेतावनी दी कि कुछ देश शायद बाद में समझौते पर फिर से बातचीत करने की सोच रहे हों। लेकिन, ऐसे अल्पकालिक तरीके जोखिम भरे हो सकते हैं। उन्होंने कहा, 'शायद वे सोचते हैं कि यह सिर्फ कहने की बात है या वे वर्तमान सरकार के कार्यकाल तक टिके रह सकते हैं और बाद में फिर से बातचीत कर सकते हैं। लेकिन, मुझे नहीं लगता कि बेहतर सौदा पाने के लिए इस तरह की प्रतिबद्धताएं करना समझदारी है।' आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने बढ़ते टैरिफ को भारतीय निर्यातकों के लिए बहुत बड़ी समस्या बताया। उन्होंने खासकर कपड़ा जैसे श्रम-प्रधान (जहां ज़्यादा मजदूरों की जरूरत होती है) उद्योगों का जिक्र किया। ये उद्योग पहले से ही अमेरिका में आयात में रुकावटों के कारण मौसमी व्यापार खो रहे हैं। राजन ने चिंता जताई, 'हमारे कुछ कपड़ा निर्माता अमेरिका के बड़े स्टोरों और चेन को सामान बेचते हैं। अगर यह बाधित होता है और वे सप्लाई के नए स्रोत ढूंढ लेते हैं तो उन्हें वापस पाना मुश्किल हो सकता है।' राजन ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को ग्लोबल सप्लाई चेन में अपनी स्थिति बचाने के लिए तेजी से कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा, 'भारत के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि हमारे टैरिफ को जल्दी से कम किया जाए, खासकर उन क्षेत्रों में जहां हमारा श्रम-प्रधान उद्योग है जिसने अमेरिका में कुछ हद तक अपनी जगह बनाई है।' उन्होंने समझाया कि टैरिफ का मतलब है किसी देश से आने वाले सामान पर लगने वाला टैक्स। जब यह टैक्स ज़्यादा होता है तो वह सामान महंगा हो जाता है और लोग उसे कम खरीदते हैं। भारत चाहता है कि अमेरिका उस पर कम टैक्स लगाए ताकि भारतीय सामान वहां आसानी से बिक सकें।

# पुराना बैंक अकाउंट भूल गए हो ? चिंता न करें, आरबीआई ने बताए लावारिस पैसा वापस पाने के तरीके

एजेंसी नई दिल्ली

काफी लोग कई-कई सालों तक अपने बैंक अकाउंट का इस्तेमाल नहीं करते। उन्हें लगता है कि पैसा बैंक के पास है। यह कहीं नहीं जा रहा। लेकिन एक समय के बाद आप अकाउंट का इस्तेमाल न करें तो बैंक उस रकम को भारतीय रिजर्व बैंक ( आरबीआई ) के पास भेज देता है। वहीं काफी लोग ऐसे भी होते हैं जो अपना बैंक अकाउंट भूल ही जाते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा हुआ है तो चिंता न करें। रिजर्व बैंक ने इसके लिए एक खास अभियान शुरू किया है। अक्टूबर से शुरू हुआ यह अभियान दिसंबर 2025 तक चलेगा। रिजर्व बैंक ने ऐसे तीन तरीके बताए हैं जिनका इस्तेमाल करके आप अपने बैंक अकाउंट में सालों से पड़े लावारिस पैसों को वापस पा सकते हैं। अगर कोई बैंक अकाउंट दो साल से ज्यादा और 10 साल तक बंद पड़ा है, तो उसका पैसा बैंक के पास ही रहता है। लेकिन अगर खाता 10 साल से ज्यादा समय से बंद है, तो वह पैसा आरबीआई के जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता (DEA) फंड में चला जाता है। इसका मतलब यह नहीं है कि वह पैसा रिजर्व बैंक का हो गया। जमाकर्ता या उनके कानूनी वारिस इस पैसे को कभी भी वापस ले सकते हैं। हालांकि इसके लिए कुछ प्रक्रियाओं का पालन करना पड़ता है। अगर कोई शख्स अपने बैंक अकाउंट को दो साल से ज्यादा और 10 साल तक इस्तेमाल नहीं करता है तो वह अकाउंट निष्क्रिय हो जाता है। जब अकाउंट निष्क्रिय हो जाता है, तो उसमें रखे पैसे तो सुरक्षित रहते हैं, लेकिन कुछ सेवाएं बंद हो जाती हैं। अकाउंट फिर से चालू करने के लिए केवाईसी डिटेल्स अपडेट करनी होती है और कोई एक ट्रांजेक्शन करना होता है। अगर बैंक अकाउंट पूरे 10 साल या इससे ज्यादा समय तक निष्क्रिय रहता है, तो बैंक की ओर से उसमें जमा सारा पैसा और ब्याज भी रिजर्व बैंक के डीईए फंड में जमा कर दिया जाता है। यह फंड मई 2014 में शुरू किया गया था। इसमें उन सभी कमर्शियल और को-ऑपरेटिव बैंकों से लावारिस पैसा इकट्ठा होता है जो एक दशक से ज्यादा समय से इस्तेमाल नहीं हुआ है या जिसका कोई दावा करने वाला नहीं है।

# चीन में गीता के आध्यात्मिक महत्त्व का गुणगान

चीन में 'भारतीय दार्शनिक परंपराओं का संगम' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में 88 वर्षीय प्रोफेसर झांग बाओशेंग ने गीता को भारत का 'दार्शनिक विश्वकोष' और 'आध्यात्मिक महाकाव्य' बताया, जो आज भी भारतीय जीवन पर गहरा प्रभाव डालता है. चीन में कम्युनिस्ट विचारधारा के लोगों का शासन है। इस विचारधारा का धर्म में सामान्यतः विश्वास नहीं रहा है, बल्कि कई मायनों में तो ये धर्म और अध्यात्म के धुर विरोधी रहे हैं। मगर उसी चीन की धरती से श्रीमद् भगवद्गीता के धार्मिक एवं आध्यात्मिक गुणों का गुणगान हो, तो इसे कोई सामान्य घटना नहीं माना जा सकता। चीन में 'भारतीय दार्शनिक परंपराओं का संगम' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में 88 वर्षीय प्रोफेसर झांग बाओशेंग ने गीता को भारत का 'दार्शनिक विश्वकोष' और 'आध्यात्मिक महाकाव्य' बताया, जो आज भी भारतीय जीवन पर गहरा प्रभाव डालता है। गीता के इस महत्त्व को समझते हुए और हर चीनी नगारिक तक गीता के उपदेश को पहुंचाने के लिए उन्होंने गीता का चीनी भाषा में अनुवाद भी कर रखा है। वहीं, प्रो. वांग झी चेंग ने कहा कि गीता 5000 साल पहले की प्राचीन भारतीय युद्धभूमि की संवाद है, जो आज भी आधुनिक जीवन की उलझनों और चिंताओं का समाधान प्रस्तुत करती है। इसमें कृष्ण के 700 श्लोक केवल उपदेश नहीं, बल्कि आध्यात्मिक कुंजियां हैं जो युगों से चली आ रही हैं। धर्म और अध्यात्म को न मानने वाले राष्ट्र चीन में गीता के महत्त्व को लेकर इस तरह की आश्चर्यजनक टिप्पणियां भारत की महान् ज्ञान संपदा पर गौरव महसूस करने के साथ-साथ इसे अपने जीवन में अपनाने के लिए भी प्रेरित करती हैं। दरअसल, गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है। यह मानव मनोविज्ञान और जीवन की कला को समझने का मार्ग है। गीता एक ऐसा साधन माना गया, जो व्यक्ति को आत्मबोध, कत्तव्य और सत्य के मार्ग पर ले जाता है। गीता को केवल एक धार्मिक ग्रंथ मानने के बजाय, इसे मानव प्रबंधन, नेतृत्व कौशल, तनाव मुक्ति और निर्णय लेने की क्षमता के संदर्भ में एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका के रूप में देखा जाना चाहिए। दैनिक जीवन की चुनौतियों का सामना करने और नैतिक दुविधाओं को सुलझाने के लिए इसके सिद्धांतों का नियमित रूप से अध्ययन और अनुप्रयोग विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध हो सकता है। आज के भागदौड़ भरे समय में जहां मनुष्य निरंतर तनाव एवं अवसाद जैसे मनोरोगों से ग्रस्त होता जा रहा है, वहां शिक्षा पाठ्यक्रम में गीता के नैतिक, मनोवैज्ञानिक और प्रबंधन संबंधी पहलुओं को उपयुक्त रूप से शामिल किया जाना चाहिए। इससे युवा पीढ़ी को कम उम्र में ही नैतिक मूल्यों और आत्म-नियंत्रण जैसे गुणों को विकसित करने में सहायता मिलेगी, जिससे अंततः तनाव और अवसाद जैसे रोग दूर रहेंगे। भारत में भी विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं और सरल भाषा-शैली में गीता के आधुनिक संदर्भों के साथ अनुवाद और व्याख्याओं को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। वहीं, सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग के समय में तकनीकी प्रगति का उपयोग करते हुए पॉडकास्ट, शॉर्ट वीडियो और इंटरैक्टिव ऐप्स के माध्यम से गीता के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है। चीन जैसे देशों में गीता की स्वीकार्यता का उपयोग करते हुए अंतरराष्ट्रीय दार्शनिक संवादों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाना चाहिए। चीन में आयोजित हुई इस संगोष्ठी में हुई चर्चा से हमें न केवल अपनी दार्शनिक विरासत पर गर्व करना चाहिए, बल्कि इस अमूल्य आध्यात्मिक खजाने को अपने जीवन में पूरी निष्ठा और गंभीरता के साथ आत्मसात करना चाहिए, ताकि यह केवल प्रशंसा का विषय न रहे, बल्कि व्यक्तिगत और सामूहिक उत्थान का आधार बन सके।

# जीवन में आने वाली बाधाएं कैसे होंगी दूर, जानें इन उपायों को

जीवन में कई बार अनेक प्रकार की कार्य बाधाएं उपस्थित हो जाती हैं जिससे व्यक्ति हताश, चिंतित और दुखी हो जाता है। प्रत्येक व्यक्ति अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए नौकरी, व्यवसाय या व्यापार आदि करता है। कभी-कभी कार्यक्षेत्र में एवं घर-परिवार के कार्यों में भी बाधाएं उठ खड़ी होती हैं, जिनका प्रायः कोई समाधान नहीं दिखाई देता। ज्योतिष में इन कार्य बाधाओं का नाश करने के अनेक उपाय दिये गये हैं। तुलसी के तीन-चार पत्तों को ग्रहण करके घर से बाहर जाने पर सभी प्रकार की कार्य बाधा दूर हो जाती है। प्रातःकाल दीप जलाकर उसमें दो फूल वाली अखंडित लौंग डाल दें, उसके बाद घर से बाहर निकलें, आपके कार्यों में आने वाली समस्त बाधाएं समाप्त हो जायेंगी। घर से बाहर निकलते समय एक निश्चित धनराशि जिसमें एक सिक्का जरूर हो, हाथ में ले लें। उसे किसी भिक्षुक को देने से उसके आशीर्वाद से वह कार्य बाधा रहित होगा, जिसके लिए आप जा रहे हैं।
प्रातः काल गणेश जी का स्मरण कर उन्हें दुर्वा घास अर्पित करके घर से बाहर निकलें, नौकरी या व्यवसाय की बाधाएं दूर होती चली जायेंगी ।
घर के बाहर जाने से पहले भगवती दुर्गा को नौ लाल पुष्प चढ़ाएं, कार्यों में आने वाली बाधा नष्ट हो जायेगी।
सफेद कपड़े की ध्वजा को पीपल के वृक्ष पर लगाने से व्यापार-व्यवसाय की सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं।
चावल और हल्दी को पीसकर उसके द्वारा घर के प्रवेश द्वार पर ऊं और स्वास्तिक बना दें, आपका घर सभी प्रकार की बाधाओं से सुरक्षित रहेगा।
नित्य प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर आदित्य हृदय स्तोत्र एवं राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करने से कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं तथा स्वयं की रक्षा होती है।
नौकरी, साक्षात्कार या किसी विशेष कार्य हेतु घर से बाहर निकलते समय गुड़, शक्कर, मिठाई या दही खा लें, आपके कार्य में कोई बाधा नहीं आयेगी।
शनिवार के दिन सरसों का तेल या काली उड़द का दान करने से कार्यों की सभी बाधाएं नष्ट हो जाती हैं।
इन छोटे-छोटे उपायों की सहायता से आप जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। किसी ज्योतिषी को अपना सही-सही जन्म समय बताकर जन्म कुण्डली के माध्यम से अपने उपर चलने वाली महा दशा, अन्तर दशा एवं ग्रह गोचर को समझकर व्यक्तिगत उपाय करने से सटीकता के साथ विघ्न-बाधा दूर होती है। जन्मपत्री में प्रथम भाव के स्वामी लग्नेश, पंचम भाव के स्वामी पंचमेश एवं नवम भाव के स्वामी भाग्येश इत्यादि का रत्न किसी ज्ञानी ज्योतिषी से पूछकर सही विधि से प्राण प्रतिष्ठा के बाद धारण करने से जीवन में मनोवांछित परिणाम प्राप्त होते हैं तथा विघ्न-बाधाएं न्यूनतम हो जाती हैं।

# वैकुंठ चतुर्दशी पर धन-समृद्धि के लिए करें ये 4 काम, प्राप्त होगी हरि-हर की असीम कृपा, खुलेंगे तरक्की के सभी द्वार

हिंदू धर्म में वैकुंठ चतुर्दशी का विशेष महत्व है। कार्तिक पूर्णिमा से एक दिन पहले वैकुंठ चतुर्दशी मनाई जाती है। इस बार यह पर्व 4 नवंबर को मनाया जा रहा है। शिवपुराण के अनुसार, भगवान विष्णु ने अपने आराध्य देव शिव जी को हजार कमल अर्पित किए थे, जिससे प्रसन्न होकर शिव जी ने उन्हें सुदर्शन चक्र प्रदान किया था। इसलिए इस दिन विशेष उपाय करने से श्री विष्णु के साथ महादेव की कृपा प्राप्त होती है।

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि करके साफ-सुथरे कपड़े पहनने चाहिए। फिर आप भगवान शिव और श्रीहरि विष्णु को जल में गंगाजल मिलाकर अभिषेक करें और विधि-विधान से पूजा अर्चना करें। इसके साथ ही इस दिन आपको विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्र का पाठ करने से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।

वैकुंठ चतुर्दशी के दिन घर के मंदिरों में घी का दीपक जरुर जलाएं। यदि आप भगवान विष्णु को कमल के 1000 फूल अर्पित करना शुभ माना जाता है। इस दिन कम-से-कम 1 हजार बार ऊँ नमः शिवाय और ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। इस उपाय को करने से साधक को जीवन के कई दुखों से निजात मिल जाता है।

इस दिन भगवान विष्णु को बेलपत्र चढ़ाने से और भगवान शिव को तुलसी दल अर्पित करने व्यक्ति के लिए तरक्की के मार्ग खुल जाते हैं। हर-हरि की कृपा सदैव बनीं रहती है। हरि-हर का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए यह उपाय वैकुंठ चतुर्दशी के दिन व्रत-उपवास करने से विशेष महत्व माना गया है। इस दिन शाम के समय नदी किनारे जाकर दीपदान करके 14 दीपक जलाना भी भगवान विष्णु और महादेव की कृपा प्राप्ति के लिए यह श्रेष्ठ उपाय जरुर करें।

# धन हानि से बचें और सुख-समृद्धि बढ़ाएं, व्यापार में सफलता व घर की समृद्धि के सरल वास्तु नियम

घर, दुकान और कार्यालय में सकारात्मक ऊर्जा, समृद्धि व सफलता बनाए रखने के लिए बहुत ही सरल वास्तु नियम हैं, जैसे बैठने की दिशा, दर्पण का स्थान, ऋण लेने के शुभ-अशुभ दिन इत्यादि के बारे में ध्यान रखें। आइए विस्तार से जानें इस बारे में... दुकानदार तथा दुकान के कर्मचारी को अधिक से अधिक प्रयास करना चाहिए कि वह पूर्व या उत्तर की तरफ मुख करके बैठें, दक्षिण या पश्चिम की ओर मुख करके बैठने से प्रायः अर्थ हानि एवं कष्ट होता है। सोने के कमरे में आईना होना अपशकुन माना जाता है। बिस्तर के बिल्कुल सामने आईना नहीं रखना चाहिए। इससे पति पत्नी के बीच मन मुटाव होता है। अगर आईना बिल्कुल बिस्तर के सामने हो तो उसे हटा दें या फिर परदा लगा दें। रविवार एवं मंगलवार को, संक्रांति के दिन, वृद्धि योग में, हस्त नक्षत्र में बैंक आदि से कर्ज नहीं लेना चाहिए। इन मुहूर्तों में ऋण (कर्ज) लेने वाला व्यक्ति सदैव ऋणी रहता है। मंगलवार को कभी भी ऋण (कर्जा) नहीं लेना चाहिए। यदि आप जल्दी से जल्दी कर्ज के बोझ से छुटकारा चाहते हैं तो कोशिश करें कि कर्ज का पैसा मंगलवार को ही लौटाएं। वैसे तो कर्ज कभी नहीं लेना चाहिए लेकिन अगर मजबूरी वश लेना ही पड़े तो कोशिश करें कि कर्ज बुधवार को ही लें। घर के दरवाजे के हत्थे पर तीन चीनी सिक्कों को, लाल रंग के रिबन या धागे से बांध कर दरवाजे के ऊपर की ओर लगाना चाहिए। इससे घर में लक्ष्मी आती है। इसे अपने बटुए में और गल्ले में भी रख सकते हैं। घर के कमरे में एक के बाद एक, एक ही पंक्ति में, तीन दरवाजे नहीं होने चाहिए। इससे शुभ (सकारात्मक, पॉजिटिव) ऊर्जा जल्दी से निकल जाती है और अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। प्रतिदिन घर, दुकान एवं प्रतिष्ठान की सफाई करते वक्त पानी में थोड़ा नमक मिलाकर पोंछा लगाना चाहिए। यह नमक मिला पानी ''नकारात्मक'', ''अशुभ'' ऊर्जा को बाहर निकालने में सहायक होता है। इस सरल प्रयोग से घर, दुकान अथवा प्रतिष्ठान के नकारात्मक प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दफ्तर में दरवाजे की ओर पीठ करके नहीं बैठना चाहिए। इससे विश्वासघात की संभावना रहती है। दफ्तर में हमेशा इस तरह बैठना चाहिए कि दरवाजा आंखों के सामने हो, जिससे दफ्तर में आने वाले लोगों को अच्छी तरह देख सकें। यदि आपका व्यापार मंद चल रहा है तो दक्षिण दिशा की चार दीवारी के मुंडेर पर ईटों की चिनाई कराकर उसे ऊँचा करा दें, दक्षिण की दीवार ऊंची करने पर आप स्वयं अपने व्यवसाय में तेजी अनुभव करेंगे।

# आर्थिक राशिफल : मालव्य राजयोग इन 5 राशियों को बनाएगा धनवान और भाग्यशाली, चमकेंगे सितारे

मेष राशि का स्वामी मंगल व बुध दोनों अष्टम आयु सांसारिक सुख भाव में संचार कर रहे हैं। इसके फल स्वरूप वृद्धजनों की सेवा तथा पुण्य कार्यों पर धन व्यय होने से मन में हर्ष रहेगा। प्रतिद्वन्दियों के लिए आप सिरदर्द बने रहेंगे। दाम्पत्य जीवन में सुखद स्थिति रहेगी।
वृष राशि का स्वामी पंचम राशि का होने से संतान भाव में हो गया है। ऐसे में राजनीतिक प्रतिद्वंदी आज आपसे आगे निकलने का प्रयास करेंगे। धीरे-धीरे सफलता की ओर कदम बढ़ाए जा सकते हैं। लेकिन कोई नया कार्य शुरू करने के लिए समय अनुकूल नहीं है। दिन का काम जल्दी खत्म करके सांयकाल का कुछ समय परिवार के साथ बिताएं।
मिथुन राशि आज का दिन आपके लिए सामान्य है। राशि का स्वामी बुध षष्ठम राज्य पराक्रम भाव प्रमुख कर्म केंद्र में राहु के साथ बैठे हैं। ऐसे में बौद्धिक तथा व्यवसायिक क्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष की ओर से हर्ष दायक समाचार से मनोबल बढ़ेगा। भाग्योदय का दिन है, सचेत रहें।
कर्क राशि आज शुभ कार्यों में आपकी दिलचस्पी बढ़ेगी। आप द्वारा लिया गया निर्णय आगे लाभप्रद रहेगा। संतान पक्ष के विवाह में आ रही अड़चनें समाप्त होंगी। जन संपर्क में वृद्धि होने से आप प्रफुल्लित रहेंगे। राशि का स्वामी चन्द्रमा मीन राशि में गत होने से जाति व श्रेणी में हीन कोई व्यक्ति आपके लिए समस्या उत्पन्न कर सकता है।
सिंह राशि आज आपका भाग्य हर काम में आपका साथ देगा। विरोधियों का षड़यंत्र असफल रहेगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों पर शुभ व्यय होने से मन में हर्ष होगा। बहुत समय से चली आ रही कटुता आपसी समझौते से समाप्त हो जाएगी। नया परिचय मित्रता में परिवर्तन हो सकता है।
कन्या राशि आज का दिन आपके लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा। मीन राशि का चन्द्रमा आपके सामने ढेर सारी जिम्मेदारियां खड़ी करेगा। मंगल क्रियाशील और पुरुषार्थ ग्रह है इसलिए सुव्यवस्था करने में आपका कोई सानी नहीं है। सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने की आपकी विशेषता आज भी आपको यश देगी।
तुला राशि आपकी राशि का स्वामी शुक्र प्रथम भाव में और आज गुरु भी मिथुन का मार्गी नवम ही है। अत्यधिक श्रम करने पर भी आय कम और व्यय अधिक होगा। गुप्त शत्रु सक्रिय रहेंगे, व्यर्थ की भागदौड़ पारिवारिक अशांति विशेष रूप से रहेगी। सूर्यास्त होते समय कुछ राहत मिल जाएगी।
वृश्चिक राशि आपकी राशि से नवम बृहस्पति पंचम शनि से आज का दिन चुनौती पूर्ण रहेगा। कोई महत्वपूर्ण व्यावसायिक अनुबंध आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है। यदि आप आज अपनी बात दूसरों तक पहुंचाने में कामयाब हो जाए तो आने वाले दिनों में आपसे वरिष्ठ व्यक्ति भी आपकी प्रशंसा करेंगे।
धनु राशि का स्वामी बृहस्पति मिथुन में है। चन्द्रमा आज मीन राशि द्वितीय भाव में संचार कर रहा है। राज्य कार्यों में सफलता, घर में धन धान्य की वृद्धि, कलत्र मित्रों से धन का लाभ, निरोगता, शत्रुओं पर विजय और सभी मनोरथ सिद्धि होगी। रात्रि में मंगलमय समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।
मकर राशि का स्वामी शनि तृतीय भाव में मार्गी है किन्तु चन्द्रमा जो दैनिक जीवन का बीज है, तृतीय भाव में राज्य विजय कारक है। आज सत्पुरुषों के मिलने से मन में प्रसन्नता होगी। उच्चाधिकारियों की कृपा से भूमि-जायदाद सम्बन्धी विवाद का समाधान भी हो जाएगा। सांयकाल के समय स्वास्थ्य कुछ ढ़ीला हो सकता है, ध्यान रखें।

कुंभ राशि करियर राशिफलः आय कम और खर्च अधिक होगा
कुंभ राशि करियर राशिफलः आय कम और खर्च अधिक होगा
राशि का स्वामी शनि द्वितीय कोष केंद्र भाव में स्वतंत्र रूप से संचार कर रहा है। कर्म फल की सिद्धि कारक है। कहीं से कमा कमाया धन मिलने का योग है। किसी वृद्ध महिला का आशीर्वाद मिलने से उन्नति के विशेष अवसर प्राप्त होंगे। भाई बन्धुओं से मतभेद व क्रोध अधिक न करें।
मीन राशि आपकी राशि का स्वामी देव गुरु बृहस्पति राशि से चतुर्थ भाव में मिथुन राशि का होकर विद्यमान है। चन्द्रमा भी प्रथम केन्द्र लक्ष्मी भवन में चल रहा है। फल स्वरूप आज पूरे दिन आय के नए स्रोत सामने आयेंगे। विरोध पक्ष पराजित होगा। आपके भाग्य का सितारा फिर से चमकने लगेगा। व्यवसाय में अधिक धन लगाना लाभकारी रहेगा।

# तीन रास्ते, एक जीवन, मानव प्रयत्न की तीन दिशाएं, जब हर प्रयत्न का होता है अपना परिणाम

विचारपूर्वक किए जाने वाले क्रियमाण कर्म का नाम प्रयत्न है, प्रयत्न के तीन भेद हैं, शुभ कर्म, अशुभ कर्म और शुभाशुभ मिश्रित कर्म। शुभ कर्म का फल सुख, अशुभ कर्म का फल दुःख और शुभाशुभ मिश्रित कर्म का फल सुख-दुःख दोनों से मिला हुआ होता है। अधिकांश मनुष्यों को उनके प्रयत्न रूपी कर्मों का अच्छा, बुरा और मिला-जुला, फल परिणाम के रूप में प्राप्त होता है। मनुष्य कर्म करने में तो स्वतंत्र है, पर फल भोग में सर्वथा परतंत्र है। इसका अभिप्राय यह है कि व्यक्ति कर्म तो अपने अनुसार करता है, लेकिन अपने कर्मों के परिणाम को अपने अनुसार नियंत्रित नहीं कर सकता। फल का निर्धारण कई कारकों पर निर्भर करता है, जैसे समय, परिस्थितियां, अन्य लोगों के कर्म और सबसे बढ़कर, ईश्वर या ब्रह्मांड की न्याय व्यवस्था। प्रयत्न, मनुष्य के विचार, वाणी और आचरण, तीनों का सम्मिलित रूप है। प्रत्येक मनुष्य को ईश्वर ने स्वतंत्र इच्छा प्रदान की है, जिसके आधार पर

वह यह तय करता है कि उसे क्या करना है और क्या नहीं, यही उसकी कर्म करने की स्वतंत्रता है। गीता के दूसरे अध्याय के 47वें श्लोक में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा भी है, "कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।" अर्थात, मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने में है, फल पर नहीं। इस दृष्टि से देखा जाए तो कर्म स्वतंत्रता का प्रतीक है, जबकि फल भोग नियति का परिणाम। पूर्व में निष्काम भाव से किए हुए कर्म और उपासना के फलस्वरूप मनुष्य को संत-महात्माओं का संग प्राप्त होता है, किन्तु उनके मिलने पर उनके बताए साधन को सुनकर उनके अनुसार मनुष्य प्रयत्न करता है, तो उसका कल्याण हो जाता है, केवल सुनने मात्र से नहीं। मनुष्य को चाहिए कि वह अपने कर्मों को शुद्ध, निःस्वार्थ और कर्तव्यभाव से करे, क्योंकि फल उसी के अनुरूप प्राप्त होगा, चाहे तुरंत मिले या भविष्य में। फल की चिंता किए बिना कर्म करते रहना ही जीवन का श्रेष्ठ मार्ग है।

### बे-मौसम बारिश बनी परेशानी का कारण

# रविवार शाम 6 बजे के बाद शहरी ग्रामीण क्षेत्र में जमकर हुई बारिश

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

मौसम में परिवर्तन होने के कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बे मौसम बारिश की वजह से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को तो दोहरी मर का सामना करना पड़ रहा है किसानों के माध्यम से धन और मक्के की जो फसल खेत में काटकर छोड़ी गई है उसके बलिया झरने लग गई है और मक्का में फिर से दाने अंकुरित होने लगे हैं ऐसी स्थिति में बे-मौसम बारिश किसानों के लिए तबाही का आलम बनता दिखाई दे रहा है। रविवार को शाम 6 बजे के बाद आसमान में काले बादल छाने के साथ लगातार तेज बारिश लगभग एक घंटे तक हुई इस बारिश की वजह से माहौल एक बार फिर तीतर भीतर हो गया।आसमान में बादली छाए और बारिश होने के बाद भी ठंड ने अभी अंगड़ाई नहीं ली है। स्थिति अभी भी पंखा चालू करके लोगों को सोना पड़ रहा है। मौसम में परिवर्तन का खामियाजा किसानों को कब तक झेलना पड़ेगा यह अभी तक स्पष्ट होने की स्थिति में दिखाई नहीं दे रहा है।

### मुलताई में आदिवासी समाज का बंद

## आदित्य टेकाम हत्याकांड के हत्यारों को फांसी और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई में 28 अक्टूबर को आदित्य टेकाम की चाकू मारकर हत्या कर दी गई था। इसके विरोध मे आज रविवार को आदिवासी समाज ने मुलताई बंद का आह्वान किया और बाजारों में घूमकर दुकानें बंद करवाईं। प्रदर्शनकारी हत्यारों को जल्द फांसी देने और फरार चार अन्य आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। दोपहर 1 बजे बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग मुलताई के मुख्य मार्गों पर जमा हुए। भाजपा के जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार भी धरना स्तर पर पहुंचे और थाने के सामने धरने पर बैठ गए। सभी की मांग है कि जब तक एसपी आकर जिम्मेदारी नहीं लेंगे, तब तक धरना जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि आदित्य की हत्या एक सुनियोजित अपराध है, न कि कोई साधारण वारदात। उन्होंने इस घटना से पूरे समाज में गहरा आक्रोश बताया। दरअसल, आदित्य टेकाम की हत्या 28 अक्टूबर की रात मुलताई बस स्टैंड पर चाकू मारकर की गई थी। इस घटना के बाद से नगर में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों, टुक्की उर्फ शुभम और विजय पवार को शनिवार रात गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, चार अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस टीमें जुटी हुई हैं। आज रविवार आदिवासी समाज के लोग अनाज मंडी से जुलूस के रूप में निकले। उन्होंने 'आदित्य को न्याय दो' और 'हत्यारों को फांसी दो' जैसे नारे लगाते हुए तहसील कार्यालय की ओर मार्च किया है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक सभी आरोपी गिरफ्तार नहीं हो जाते और सरकार फांसी की सजा की सिफारिश नहीं करती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, स्थानीय प्रशासन लगातार प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है। मुलताई बंद के दौरान ताप्ती के पास मुख्य मार्ग पर धरना देकर मार्ग पूरी तरह बंद कर दिया गया है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग पर मुख्य मार्ग पर धरना शुरू किया गया है। आदिवासी संगठनों द्वारा थाने के ठीक सामने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया गया है। उनका कहना है कि अन्य आरोपियों की भी जल्द से जल्द गिरफ्तारी की जाए और अन्य आरोपियों को फांसी दी जाए। इसी बात को लेकर थाने के ठीक सामने आदिवासी संगठनों का धरना शुरू हो गया है।

### मां काली के प्रतिमा का रविवार को किया गया विसर्जन

## डीजे और बैड की धुन पर महिला और युक्तियां ने जम के थिरकने का काम किया

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा के बजरंग कॉलोनी में 15 वर्षों से बैठ रही मां काली की प्रतिमा का ग्यारस के दूसरे दिन युवाओं के माध्यम से विसर्जन करने का कार्य किया गया। डीजे की धुन और बैड बजे की बीच में युवा महिलाओं के माध्यम से खुशी का इजहार करते हुए नाचते गाते माता रानी की प्रतिमा को विदाई देने का काम किया गया इस बीच में आकर्षण का केंद्र यह रहा की मां काली की प्रतिमा के समीप खपर मे गूगल सहित कई औषधीय लगातार जल रही थी जिसकी खुशबू इतनी प्यारी थी की राह चलने वाले हर किसी को अपनी तरफ या झांकी आकर्षित कर रही थी। नगर वासियों ने बताया कि दीपावली के दिन मां काली की प्रतिमा की स्थापना की जाती है और 11 दिनों तक पूजा आराधना करने के बाद ग्यारस के दूसरे दिन इस प्रतिमा की विदाई करने का कार्य किया जाता है। नगरवासीओ ने बताएं कि पिछले 35 वर्षों से इसी पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना भी निमित्त रूप से होते चली आ रही है जिसकी वजह से संपूर्ण कॉलोनी में धर्म मय माहौल बना रहता है। इसके अलावा संत रविदास वार्ड क्रमांक 23 में मां काली की प्रतिमा का की स्थापना की गई थी जिसका विसर्जन भी रविवार को ही किया गया इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला पुरुष उपस्थित रहे।

## प्रिमियर लीग सीजन-2 की विजेता बनी धमाडे लाइंस की टीम
## रविवार रोमांचक मुकाबले में पुष्पा थ्री एवं धमाडे लाइंस फाइनल में पहुंचीं

### मेन ऑफ दी मैच बने साजिद, मेन ऑफ सीरीज बने लखवीर

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

विद्युत नगरी सारनी के रामख्यानी स्टेडियम में रविवार को प्रिमियर लीग सीजन 2 की क्रिकेट स्पर्धा का फाइनल मैच पुष्पा थी एवं धमाडे लाइंस के बीच खेला गया। पुष्पा थ्री ने पहले बैटिंग करते हुए 68 का रन का लक्ष्य दिया। धमाडे लाइंस ने इस मैच को आसानी से जीत लिया। स्पर्धा में मेन ऑफ मैच साजिद खान एवं मेन ऑफ सीरीज लखवीर बने हैं। नगर के रामरख्यानी स्टेडियम में बाबा मठारदेव क्लब के तत्वावधान में पंडाल प्रिमियर लीग सीजन 2 (पीपीएल-2) टेनिस बॉल क्रिकेट स्पर्धा का 31 अक्टूबर को शुभारंभ हुआ। पहले दिन तीन रोमांचक मैच खेले गए। पहला मैच धमाडे-11 ने जीता। जबकि दो अन्य मुकाबले इक्का-11 एवं बीएमडी-11 ने जीते। रामख्यानी स्टेडियम सारनी में बाबा मठारदेव क्लब द्वारा प्रतिवर्ष पंडाल प्रिमियर लीग टेनिस बॉल क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन किया जाता है। इस साल पंडाल प्रिमियर लीग सीजन-2 (पीपीएल-2) का आयोजन किया गया। स्पर्धा का शुभारंभ ल सतपुड़ा थर्मल पॉवर प्लांट के मुख्य अभियंता (उत्पादन) व्ही.के कैथवार,अतिरिक्त

मुख्य अभियंता एसएन सिंह ने बाबा मठारदेव का पूजन कर किया। इस अवसर पर पिच पूजन के साथ मैच का शुभारंभ किया गया। मुख्य अभियंता श्री कैथवार ने बैटिंग एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री सिंह ने बॉलिंग कर स्पर्धा की विधिवत शुरूआत की। पहला मैच बीएमडी-11 एवं धमाड़े-11 के बीच खेला गया। जिसमें धमाड़े 11 ने पहले बल्लबाजी करते हुए 68 रन बनाए,बीएमडी-11 10 ओवरों में 60 रन ही बना पाई। इस तरह धमाड़े-11 ने पहला मुकाबला जीत लिया मैन ऑफ द मैच हितेन सिंदूर रहे। स्पर्धा आयोजन समिति से जुड़े राजेश वागद्रे,मिंटू राजपूत व अन्य लोगों ने बताया कि शनिवार व रविवार को भी पीपीएल-2 स्पर्धा में आकर्षक और रोमांचक मुकाबले होंगे। स्पर्धा का समापन रविवार को हुआ है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949